सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 12 फरवरी, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 132, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

नया रक्षा बजट : 'विकसित सेना' के लिए और ज्यादा की दरकार है..

ले.जन. एच.एस. पनाग (रिटा.)

मोदी सरकार ने 2026-27 का जो केंद्रीय बजट पेश किया है उसमें सेनाओं के आधुनिकीकरण के मसले को आगे बढ़ाने की गंभीर कोशिश की गई है। इस बार रक्षा बजट के लिए पूंजीगत मद में 2.19 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, यह 2025-26 में किए गए 1.80 लाख करोड़ रु. से 21.84 प्रतिशत ज्यादा है। बीते वर्षों में रक्षा बजट में हर साल औसतन 5 फीसदी की वृद्धि का जो नियम जैसा बन गया था, उससे तो कहीं ऊंची छलांग है। यह केंद्र सरकार के कुल खर्च का 14.67 प्रतिशत, और अनुमानित जीडीपी के 2 प्रतिशत के बराबर है। कुल आवंटन का 27.95 प्रतिशत भाग पूंजीगत खर्च के मद में जाएगा, 20.17 फीसदी भाग ऑपरेशनों और तैयारियों पर खर्च होगा और 26.40 प्रतिशत हिस्सा वेतन-भत्तों पर, 21.84 प्रतिशत रक्षाकर्मियों की पेंशन पर, और 3.64 प्रतिशत सिविल संगठनों पर खर्च होगा।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य में, सेनाओं के आधुनिकीकरण के बजट में बड़ी वृद्धि रणनीतिक अनिवार्यता बन गई है। पूंजीगत खर्च में से 1.84 लाख करोड़ पूंजीगत अधिग्रहण के लिए रखा गया है, यह वित्त वर्ष 2025-26 में रखे गए इसके हिस्से से करीब 24 फीसदी ज्यादा है। 'आत्मनिर्भरता' की नीति के अनुरूप किए गए इस आवंटन के 75 प्रतिशत हिस्से यानी 1.39 लाख करोड़ वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान घरेलू उद्योगों से खरीद के वास्ते रखे गए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने दिसंबर 2025 तक 2.10 लाख करोड़ रुपये मूल्य के करारों पर दस्तखत कर दिए थे और अब तक 3.50 लाख करोड़ से ज्यादा मूल्य की 'आवश्यकता की स्वीकृति' दे दी है। पूंजीगत अधिग्रहण के तहत आने वाली परियोजनाएं सेनाओं को अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान, स्मार्ट तथा मारक वेपन्स, युद्धपोत/ पनडुब्बी, मानव रहित एरियल सिस्टम्स और आधुनिक वाहन आदि से लैस करेंगी। आवंटन में वृद्धि ऑपरेशन सिंदूर के बाद हथियारों और गोला-बारूद की आपात खरीद के कारण पूंजीगत तथा राजस्व मदों में पैदा हुई अतिरिक्त वित्तीय जरूरतों को पूरा करने मददगार होगी। इतिहास में शायद पहली बार ऐसा होगा कि पूंजीगत बजट में 20 फीसदी की वृद्धि की जो मांग रक्षा मंत्रालय ने की थी पूरी तरह मान लिया गया है, बल्कि अतिरिक्त 1.84 प्रतिशत तो बोनस के रूप में भी दिया गया है। अब यह मंत्रालय और सेनाओं के ऊपर है कि वे इसका पूरा उपयोग करें क्योंकि 'नॉन-लैप्सेबल डिफेंस मॉडर्नाइजेशन फंड' अधर में लटका हुआ है।

'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य भारत को विश्व में तीसरे ध्रुव के रूप में स्थापित करेगा। इसके लिए ऐसी अत्याधुनिक विकसित सेना की जरूरत होगी, जो जरूरत पड़ी तो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए संपूर्ण रणनीतिक स्वायत्तता को लागू करेगी।

विकसित सेना के गठन के लिए 2047 के वास्ते राष्ट्रीय सुरक्षा का एक 'विजन' चाहिए, एक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति, जिसकी हर पांच साल पर समीक्षा हो, और सेना को बदलने के लिए एक नेशनल डिफेंस पॉलिसी चाहिए, जिसके तहत सेना को दो दशकों के अंदर बदल देने का वादा शामिल हो। ये राष्ट्रीय सुरक्षा के मूल आधार हैं, जिन्हें पूरा करने की ज़िम्मेदारी सेना की सलाह सुनने वाली राजनीतिक सत्ता की होती है। लेकिन इनके अस्तित्व के कोई संकेत सार्वजनिक दायरे में नहीं हैं।

बहरहाल, किसी औपचारिक रणनीति और नीति के अभाव में भी चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने जनवरी 2025 में कहा था कि सेनाओं के लिए 'विजन 2047' को 2025 के मध्य तक आकार दे दिया जाएगा और उसे अधिकृत रूप से जारी कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि इसके अंतर्गत 'इंटीग्रेटेड कैपेबिलिटी डेवलपमेंट प्लान' (आईसीडीपी) भी तैयार किया जाएगा। अभी तक यह सार्वजनिक नहीं किया गया है कि 'विजन 2047' और आईसीडीपी तैयार हुए हैं या नहीं और सरकार ने उन्हें मंजूरी दी है या नहीं।

इन सबके मद्देनजर, और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जो मौजूदा रवैया है उसे देखते हुए रक्षा बजट केवल सेना के बमुश्किल क्रमिक आधुनिकीकरण और मौजूदा स्तर को बनाए रखने के काम ही आ सकता है। अपर्याप्त बजट के कारण क्रमिक आधुनिकीकरण भी वर्षों पीछे पिछड़ गया है। 114 राफेल फाइटर विमान एक दशक पहले ही वायुसेना के बेड़े में शामिल हो जाने चाहिए थे, लेकिन अब उनकी लागत 3.25 लाख करोड़ रुपये (40 अरब डॉलर) हो जाएगी, और उम्मीद है कि इन 18 विमानों की पहली खेप 2030 से आने लगेगी, बशर्ते सौदा 2027 के शुरू तक तय हो गया तो। जर्मनी के साथ 8-10 अरब डॉलर का पनडुब्बी सौदा अभी तय होना बाकी है; और 3.5 अरब डॉलर के 31 प्रिडेटर ड्रोनों के सौदे का भुगतान किया जाना है। 'एड्वान्स्ड मीडियम कंबैट एयरक्राफ्ट' (एएमसीए) और दो और विमानवाही पोतों के विकास के लिए फंड देना बाकी है। सेना का ड्रोनीकरण होना है और ऑटोनोमस सिस्टम्स का विकास शुरू किया जाना है।

मेकेनाइज्ड टैंकों और थलसेना के युद्धक वाहनों की जगह 57 हजार करोड़ रु. मूल्य के 'फ्यूचर रेडी कंबैट वेहिकल' और 50 हजार करोड़ रु. मूल्य के 'फ्यूचर इन्फैन्ट्री कंबैट वेहिकल' शामिल किया जाना है। योजना यह भी है कि 5 अरब डॉलर मूल्य के पांच अतिरिक्त एस-400 रेजीमेंट तैयार किए जाएं। निकट भविष्य में जो हाइटेक युद्ध होंगे उनके लिए हजारों करोड़ मूल्य के 'प्रिसीजन गाइडेड म्यूनीशन' तैयार करने होंगे। उदाहरण के लिए, हरेक ब्रह्मोस मिसाइल की कीमत 25-34 करोड़ रु. है, आकाश मिसाइलों की एक यूनिट ढाई करोड़ रु. में आती है। हरेक एस-400 मिसाइल की कीमत उसके प्रकार और उसकी रेंज के अनुसार 3 लाख से लेकर 20 लाख डॉलर तक है।

अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों अमेरिका, चीन, और रूस के रक्षा बजट क्रमशः 839 अरब डॉलर, 313 अरब डॉलर और 166 अरब डॉलर है। यहां तक कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भी माना है कि चीन की सैन्य शक्ति अमेरिका को चुनौती देने के काबिल हो गई है। चीन ने उसके राष्ट्रीय सुरक्षा 'विजन', रणनीति, और नीति को परिभाषित किया, और उसने 2016 तक 'पीएलए' का कायापलट करने के लिए व्यापक सैन्य सुधार शुरू कर दिए थे। चीन का रक्षा बजट बढ़कर 313 अरब डॉलर का हो गया। अगर भारत 2047 में महाशक्तियों की बराबरी में आना चाहता है तो उसे राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपने नजरिए में मूलभूत बदलाव लाना होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा, 'विजन' रणनीति, और प्रतिरक्षा नीति को स्पष्ट समय सीमा के अनुरूप निर्धारित करना होगा। यह सब हासिल करने के लिए रक्षा बजट को तुरंत एक दशक के लिए बढ़ाकर जीडीपी के 4 फीसदी के बराबर कर देना चाहिए और इसके बाद उसके 3 फीसदी से ऊपर रखना चाहिए।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सिंहस्थ के लिए...

उज्जैन के प्रबंधन से पूरे प्रदेश का बढ़ेगा गौरव : सीएम

- 1133.67 करोड़ रूपए की परियोजना से होगी सिंहस्थ-2028 में शुद्ध पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था
- उज्जैन में खुलेगा आयुर्वेद का धनवंतरी इंस्टीट्यूट
- प्रधानमंत्री श्री मोदी आयुर्वेद की पढ़ाई और चिकित्सा के लिए जल्द ही देंगे बड़ी सौगात

उज्जैन में किया हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमि-पूजन

भोपाल/उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। उन्हीं के मार्गदर्शन में बने महाकाल लोक में उज्जैन को वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन का केन्द्र बनाया है। मोक्षदायिनी शिप्रा मैया की कृपा से उज्जैन अब सिंहस्थ-2028 के लिए तैयार हो रहा है।

भगवान महाकाल के आशीर्वाद से सिंहस्थ की तैयारियों के लिए 1133.67 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित की जा रही हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमि-पूजन हो रहा है। इस परियोजना से सिंहस्थ-2028 के दौरान श्रद्धालुओं और नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। साथ ही शहर के हर घर में लंबे समय तक जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। सिंहस्थ के लिए उज्जैन के प्रबंधन से पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के ग्राम हरियाखेड़ी में जल आवर्धन परियोजना के भूमि-पूजन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लगभग 47.23 करोड़ लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया।

दुनिया के श्रद्धालु उज्जैन आएंगे

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 में पूरी दुनिया के श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। राज्य सरकार इसके लिए सभी तैयारियों को समय रहते हुए पूरा कर रही है। उज्जैन बाबा महाकाल और सम्राट विक्रमादित्य की नगरी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सभी बुनियादी सुविधाओं के लिए विकास कार्य हो रहे हैं। क्षिप्रा के घाटों पर सिंहस्थ में आए 5 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे। रामघाट के पास एक छोटा और एक बड़ा पुल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले महीने मार्च में उज्जैन में भव्य गीता भवन का लोकार्पण होगा। शीघ्र ही उज्जैन-इंदौर फोर लेन रोड का भूमि-पूजन भी किया जाएगा। उज्जैन भी मेट्रोपोलिटन सिटी का हिस्सा होगा। यह सभी कार्य शहर के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में बताया गया कि हरियाखेड़ी परियोजना को 24 माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। हरियाखेडी एवं गंभीर पर 2 नए इंटेक वेल का निर्माण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत नए जल शोधन संयंत्रों का निर्माण और 17 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे। योजना अंतर्गत 708 किमी पाइपलाइन का नया वितरण नेटवर्क विकसित किया जाएगा तथा पुरानी एसीपी पाइपलाइन भी बदली जाएगी।

बोलेरो, टवेरा और बाइक की टक्कर में बुजुर्ग दंपत्ति समेत 3 की मौत

शादी समारोह से लौट रहे थे, 5 घायल

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम जिले के बनखेड़ी में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां चांदोन रोड पर बिजली ऑफिस के पास बोलेरो, टवेरा और बाइक की आपस में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार बुजुर्ग दंपत्ति और बोलेरो में बैठे एक किशोर समेत कुल 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 5 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना रात करीब 1.30 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, पहले बोलेरो और बाइक की टक्कर हुई। इसी बीच सामने से आ रही टवेरा में अनियंत्रित बोलेरो जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों कारें आगे से क्षतिग्रस्त हो गईं। थाना प्रभारी विजय सनस ने बताया कि दो कार और बाइक की टक्कर में बाइक सवार पति-पत्नी और एक कार में सवार व्यक्ति की मौत हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

शादी से लौट रहे थे सभी

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान बाइक सवार हरगोविंद दुबे (60) और उनकी पत्नी गायत्री दुबे (50) निवासी पौड़ी के रूप में हुई है। वे सायखेड़ा से एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। वहीं, तीसरा मृतक शिवांस पटेल (17) निवासी निभौरा है, जो बोलेरो में सवार था। बोलेरो सवार लोग भी गाडरवाड़ा से शादी समारोह से वापस आ रहे थे।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsaverenews
twitter.com/subahsaverenews

शरद की सुबह

मगहर जाने का हठ छोड़ो,काशी ही में मरो कबीर।
आडम्बर के संधि पत्र पर हस्ताक्षर अब करो
कबीर।
मत बोलो मुल्ला को मुर्गा,
पंडित को झूठा मत बोलो।
जाए जिधर बावरी दुनिया
तुम भी दुनिया के संग हो लो।
वरना दुनिया बोलेगी 'ओ कहाँ चला बावरो
कबीर'!
सतगुरु की महिमा को छोड़ो
देखो जग !है स्वार्थ मुख्य सत।
व्यस्त रहो बस अर्थ-लोभ में
गूढ़ ज्ञान की बात करो मत।
अपनी सारी उलट बांसियां अपने सिर ही धरो
कबीर।
अभी चेत जाओ तो अच्छा
नही बाद में पछताओगे।
कोई नही जलाएगा घर
लिए लुकाठी रह जाओगे।
अपने निपट अकेलेपन से थोड़ा सा तो डरो कबीर।
घर में होंगे तंगी के दिन
जब बेटी का ब्याह रचेगा।
लोई तब ताना मारेगी
और कमाल भी गाली देगा।
दुनिया की दौलत से अपनी खाली झोली भरो
कबीर।

- उपेंद्र बाजपेई

डिजिटली चेक होंगी सीबीएसई 12वीं की एक करोड़ कॉपियां

- 32 करोड़ पन्ने स्कैन करके अपलोड होंगे,17 फरवरी से 10 अप्रैल तक है बोर्ड एग्जाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार सीबीएसई 12वीं के 17 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स की कॉपियां ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम से जांची जाएंगी। मतलब ये कि इन्हें डिजिटल तरीके से जांचा जाएगा। सीबीएसई 12वीं की बोर्ड परीक्षा 17 फरवरी से 10 अप्रैल तक होनी है। इसके लिए हर छात्र की सभी आंसर शीट्स (उत्तरपुस्तिका) के हर पन्ने को परीक्षा केंद्र में ही स्कैन करके कंप्यूटर सिस्टम में अपलोड किया जाएगा। करीब 1 करोड़ कॉपियों के लगभग 32 करोड़ पन्ने स्कैन करके अपलोड होंगे। परीक्षक इन डिजिटल कॉपियों की जांच करके ही नंबर देंगे। 10वीं बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियों की चेकिंग पहले की तरह कागज पर ही होगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज के मुताबिक इस नई व्यवस्था से उत्तर पुस्तिकाओं के ट्रांसपोर्ट में लगने वाला समय और खर्च बचेगा। शिक्षक अपने स्कूल में रहते हुए ही मूल्यांकन कर सकेंगे, बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी।

'जन गण मन' से पहले गाया जाएगा वंदे मातरम्

- सभी 6 पैरा गाना जरूरी, सरकार ने जारी किए नए दिशा निर्देश

स्कूलों में राष्ट्रगीत के बाद शुरू होगी पढ़ाई, सिनेमाघरों को छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने आदेश में कहा है कि अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। यह आदेश 28 जनवरी को जारी हुआ, लेकिन मीडिया में इसकी जानकारी 11 फरवरी को आई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आदेश में साफ लिखा है कि अगर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' साथ में गाए या बजाए जाएं, तो पहले वंदे मातरम गाया जाएगा। इस दौरान गाने या सुनने वालों को सावधान मुद्रा में खड़ा रहना होगा। आदेश के मुताबिक सभी स्कूलों में दिन की शुरुआत राष्ट्रगीत बजाने के बाद ही होगी। नए नियमों के अनुसार, राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।

सिनेमा हॉल में लागू नहीं होंगे नए नियम

हालांकि, सिनेमा हॉल को नए नियमों से दूर रखा गया है। यानी सिनेमाघरों में फिल्म शुरू होने से पहले 'वंदे मातरम' बजाना और खड़ा रहना अनिवार्य नहीं होगा। वहीं अगर किसी न्यूजरील या डॉक्यूमेंट्री फिल्म के हिस्से के रूप में राष्ट्रगीत बजाया जाता है, तो दर्शकों के लिए खड़ा होना जरूरी नहीं होगा। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी स्थिति में खड़े होने से प्रदर्शन में व्यवधान और अव्यवस्था हो सकती है। मंत्रालय ने कहा है कि अब से राष्ट्रगीत का आधिकारिक संस्करण ही गाया या बजाया जाएगा और इसे सामूहिक गायन के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

गृह जिले में पोस्टिंग है तो जल्द करें ट्रांसफर

- तीन साल से अधिक समय से तैनात अफसरों का होगा तबादला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकतंत्र की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने एक बार फिर कमर कस ली है। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में अप्रैल-मई में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आयोग ने मंगलवार को इन राज्यों के मुख्य सचिवों को सख्त निर्देश जारी किए। चुनाव से जुड़े सभी अफसरों को उनके गृह जिले में या जहां वे पिछले चार साल में तीन साल पूरे कर चुके हैं या 31 मई तक कर लेंगे, वहां से तुरंत हटाने के आदेश दिए गए हैं। पुडुचेरी के मामले में यह समयसीमा 30 जून तक है। यह कदम चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए उठाया गया है, ताकि कोई भी अफसर अपनी पुरानी पोस्टिंग के कारण पक्षपात का आरोप न झेल सके।

सुबह सवेरे
इंदौर ■ गुरुवार, 12 फरवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

मंत्रियों के यात्रा भत्ता का पेमेंट अब चेक से नहीं

● नए वित्त नियम लागू, ई चेक से ही होंगे भुगतान ● फाइनेंस की परमिशन पर ही नए बैंक खाते खुलेंगे

भोपाल (नप्र)। मोहन सरकार के मंत्रियों को मिलने वाले यात्रा भत्ते के भुगतान के लिए अब चेक स्वीकार नहीं किए जाएंगे। वित्त विभाग ने नए नियम जारी करते हुए कहा है कि ई चेक से ही यात्रा भत्ते का भुगतान किया जाएगा। इसके साथ ही वित्त विभाग के नए नियमों में यह व्यवस्था भी लागू कर दी गई है कि किसी भी विभाग का नया खाता वित्त की परमिशन के बगैर नहीं खुलेगा। पांच साल तक अगर किसी खाते में लेन देन नहीं हुआ है तो इसे बंद करने का फैसला भी वित्त विभाग ही लेगा। साथ ही किसी खाते में राशि जमा होने पर ब्याज लेना है या नहीं लेना है, इसका फैसला भी वित्त विभाग ही करेगा। वित्त विभाग ने कोषालय नियम 2020 में बदलाव कर नए नियम लागू कर दिए हैं। इसमें साफ किया गया है कि यात्रा भत्ता का भुगतान ई चेक से होगा, चाहे वह भुगतान शासकीय सेवकों से संबंधित हो या मंत्रियों को किया जाने वाला यात्रा भत्ता भुगतान से जुड़ा मामला हो, फिजिकल चेक नहीं स्वीकार किए जाएंगे। पहले यह भुगतान फॉर्म-23 भरकर किया जाता था, जिसमें चेक के जरिए राशि दी जाती थी। नियमों में संशोधन के बाद अब पेंशन एवं ग्रेच्युटी का भुगतान ई-हस्ताक्षर के माध्यम से किया जाएगा।

सिक्योरिटी जमा के लिए अब ये दस्तावेज मान्य- वित्त नियमों में कहा गया है कि सरकार को नुकसान से बचाने के लिए सिक्योरिटी की रमक अब सावधि जमा रसीद ,राष्ट्रीय बचत पत्र,किसान विकास पत्र ,वित्त विभाग द्वारा निर्धारित अन्य प्रपत्र के जरिये ली जा सकेगी। इन दस्तावेजों को स्वीकार करने से पहले कोषालय अधिकारी द्वारा पुष्टि की जाएगी।

5 साल तक लेन-देन नहीं हुआ तो खाता बंद- कोषालय नियमों में कहा गया है कि अगर व्यक्तिगत जमा खाते जिनका स्त्रोत संचित निधि है, उनमें पांच साल तक कोई लेन-देन नहीं होता है तो वित्त विभाग ऐसे खातों को बंद करने के लिए समीक्षा करेगा। फाइनेंस के फैसले के बाद खाते बंद करने के निर्देश दिए जाएंगे और इसके बाद भी अगर बंद नहीं किए गए तो फिर समीक्षा की जाएगी। सहायक नियम 321 के उपनियम (1) के स्थान पर किए गए बदलाव में कहा गया है कि जेल अधिकारियों द्वारा कैदियों से संबंधित चलाए जा रहे खाते तथा भूमि अर्जन के भुगतान के लिए खोले गए खाते पांच साल बाद भी बंद नहीं किए जाएंगे।

ब्याज जमा करने का फैसला वित्त विभाग करेगा- नियमों में किए गए बदलाव में यह भी कहा गया है कि शासन द्वारा राज्य के संस्थानों, स्थानीय निकायों को अनुदान और अन्य वित्तीय सहायता दी जाती है। ऐसे संस्थानों का नजदीकी कोषालय में व्यक्तिगत खाता खोला जाएगा तथा शासन द्वारा दी जाने वाली राशि इन खातों में ट्रांसफर की जाएगी।

असम में भारत का सबसे लंबा भूकंपरोधी पुल तैयार

● 100 साल चलेगा,चीन से सटे बॉर्डर इलाकों तक कनेक्टिविटी और मजबूत होगी

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर उत्तरी और दक्षिणी गुवाहाटी को जोड़ने वाला पहला 6-लेन एक्स्ट्राडोसेड ब्रिज या 'महासेतु' बनकर तैयार है। यह पुल न केवल असम बल्कि देश के लिए भी खास है, क्योंकि यह भारत का सबसे लंबा एक्स्ट्राडोसेड पुल होगा। पुल को भूकंप-रोधी तकनीक से डिजाइन किया गया है और इसकी अनुमानित उम्र 100 वर्ष है। असम का यह क्षेत्र भूकंप जोन-6 में आता है, ऐसे में पुल में विशेष पेंडुलम सिस्टम

लगाया है, जो भूकंप के झटकों को सहन कर उन्हें नीचे की ओर स्थानांतरित कर देता है। एक्स्ट्राडोसेड पुल गर्डर और केबल दोनों तकनीक पर आधारित होता है। इससे पारंपरिक पुलों की तुलना में ज्यादा मजबूत और किफायती भी होता है। पुल का निर्माण कार्य करीब 99 फीसदी पूरा हो गया है। संभावना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने इसका उद्घाटन करेंगे। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज का पिछले उद्घाटन हुआ था। चिनाब आर्च ब्रिज रियासी जिले में बक्कल और कौड़ी के बीच बना है। इसे 2003 में मंजूरी मिली थी। शुरुआती प्लान के मुताबिक इसे 2009 तक तैयार हो जाना था, लेकिन 22 साल लग गए।

भारत-यूएस ट्रेड डील में भारत को और राहत

● दाल और 500 अरब डॉलर की खरीद भी जरूरी नहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत के साथ हुई हालिया ट्रेड डील पर जारी अपनी फैक्ट शीट में कई बड़े बदलाव किए हैं। पहले जिन बातों का साफ जिक्र था, अब उन्हें या तो हटा दिया गया है या उनकी भाषा बदली गई है। पिछले हफ्ते दोनों देशों ने ट्रेड डील का ऐलान किया था। इसके बाद व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट जारी कर आगे की रूपरेखा बताई थी, लेकिन अब उसी दस्तावेज का नया वर्जन जारी हुआ है। सबसे बड़ा बदलाव दाल को लेकर है। पहले कहा गया था कि भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम या खत्म करेगा, जिसमें दाल भी शामिल थी। अब नए दस्तावेज से दाल का जिक्र हटा लिया गया है। 500 अरब डॉलर की खरीद को लेकर भी भाषा बदली गई है। पहले लिखा था कि भारत, अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने के लिए कमिटेड है। अब इसे बदलकर इरादा रखता है कर दिया गया है। नए दस्तावेज में सिर्फ एनर्जी, सूचना और संचार तकनीक, कोयला और कुछ अन्य सामान की बात कही गई है। डिजिटल सर्विस टैरिफ पर भी अमेरिका ने नरमी दिखाई है। पहले कहा गया था कि भारत यह टैरिफ हटाएगा। अब सिर्फ इतना लिखा है कि भारत डिजिटल ट्रेड के नियमों पर बातचीत के लिए तैयार है। अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल इम्पोर्ट के कारण लगाए गए टैरिफ को वापसी का भी फैसला लिया है।

भारत पर नजर रखने के लिए टास्क फोर्स गठित

ट्रेड डील को लेकर अंतरिम समझौते के ढांचे के अनुसार भारत रूस से तेल का आयात दोबारा शुरू न करे, इस पर निगरानी रखने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तीन मंत्रियों की एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इसमें वाणिज्य मंत्री, विदेश मंत्री और वित्त मंत्री शामिल हैं। इस समिति को लगता है कि भारत ने रूस से तेल का इम्पोर्ट दोबारा शुरू कर दिया है, तो वह राष्ट्रपति ट्रम्प को दोबारा 25 फीसदी पेनल्टी लगाने और अन्य कार्रवाई करने के लिए सिफारिश कर सकती है।

बीकानेर-जैसलमेर में नए सोलर पार्क और हर घर नल का वादा

राजस्थान के बजट में बड़े ऐलान,युवाओं को 10 लाख का लोन भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दीया कुमारी ने राज्य के 2026-27 के बजट में गांव और शहर की आबादी को नल का पानी देने के लिए 6,800 करोड़ रुपये और बीकानेर और जैसलमेर में सोलर पार्क बनाने के लिए करीब 3,000 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा है। साल 2026-27 का बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री दीया कुमारी ने मौजूदा सरकार की ओर से किए गए स्ट्रक्चरल सुधारों और समझदारी भरे फाइनेंशियल मैनेजमेंट के असर पर रोशनी डाली और कहा कि राज्य का इकोनॉमिक साइज काफी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सीएम जल जीवन मिशन के तहत गांवों को कवर किया जाएगा और हर घर को नल के पानी से जोड़ा जाएगा। इस पर 4,500 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

● **10 लाख तक बिना ब्याज का लोन मिलेगा-** बीकानेर और जैसलमेर में 2,950 करोड़ रुपये से नए सोलर पार्क बनाए जाएंगे। सीएम सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट स्कीम के तहत, 10 लाख रुपये तक का बिना ब्याज वाला लोन और ग्रांट दिया जाएगा। इससे 30,000 युवाओं को फायदा होगा। इसके अलावा, नॉन-पैचेबल सड़कों पर 1,400 करोड़ रुपये और मिसिंग लिंक सड़कों पर 600 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

आचार्य श्री राजेन्द्र दास जी का उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने किया आत्मीय स्वागत

भोपाल। मलूक पीठाधीश्वर आचार्य श्री राजेन्द्र दास जी महाराज का रीवा एयरपोर्ट में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आचार्य श्री का स्वागत वंदन कर आत्मीय अभिनंदन किया। श्री राजेन्द्र दास जी महाराज तदुपरांत उप मुख्यमंत्री जी के अमहिया स्थित निवास पहुंचे जहाँ उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सपत्नीक आचार्य श्री का चरण पखारकर आशीर्वाद लिया तथा महाराज जी को श्रीफल व गौमाता की मूर्ति भेंट की।

उत्तर प्रदेश में 14 नए मेडिकल कॉलेज, 3 यूनिवर्सिटी खुलेंगी

● लड़कियों को शादी के लिए अब 1 लाख मिलेंगे, बजट में वादा
● 400 करोड़ की स्कूटी बांटेंगे, 10 लाख को रोजगार: सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार ने चुनाव से पहले अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश किया। 9 लाख 12 हजार करोड़ का ये बजट पिछले साल से 12 फीसदी ज्यादा है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिलाओं, इंफ्रास्टक्चर पर खास फोकस किया गया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 43 हजार करोड़ रुपए की नई योजनाएं शुरू करने का ऐलान किया। अब बेटियों की शादी के लिए 51 हजार की जगह 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। 10 लाख युवाओं

को रोजगार दिए जाएंगे। प्रदेश में 60 मेडिकल कॉलेज हैं, 14 नए और खोले जाएंगे। 3 यूनिवर्सिटीज को भी शुरू किया जाएगा। केंद्र की तरह ही राज्य सरकार 7 शहरों को स्मार्ट सिटी डेवलप करेगी। मेधावी छात्राओं को 400 करोड़ रुपए से स्कूटी बांटी जाएंगी। वहीं, मध्यम वर्ग को घर दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद नई न्यू रेजीडेंसियल स्कीम लॉन्च करेगी। 34 हजार करोड़ रुपए से नार्थ-ईस्ट कॉरिडोर बनाया जाएगा। गोरखपुर से लेकर नेपाल बॉर्डर होते हुए सहारनपुर तक जाएगा। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट में अब 2 की बजाय अब 5 रनवे बनेगा। योगी सरकार ने बजट का 25 फीसदी इंफ्रास्टक्चर को दिया है। वहीं, कृषि को 12 फीसदी, उच्च से लेकर बेसिक एजुकेशन को 12.50 से 15 फीसदी तक, जबकि हेल्थ को 6-8 फीसदी अमाउंट दिया गया है।

मन तक पहुंचती हैं उषा किरण खान की रचनाएं

भोपाल। हिन्दी और मैथिली की विख्यात साहित्यकार पद्मश्री उषाकिरण खान की द्वितीय पुण्यतिथि 11 फरवरी को हिन्दी भवन में साहित्यिक संस्था 'आयाम साहित्य का स्त्री स्वर' द्वारा आयोजित की गई। यादों के झरोखों में उषाकिरण खान एक शाश्वत इंद्रधनुष शीर्षक से आयोजित इस कार्यक्रम में उषाकिरण खान के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार रखे गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विख्यात आलोचक डॉ. विजय बहादुर सिंह ने कहा कि बहुत कम ऐसी रचना होती है जो मन को छू पाती है, लेकिन उषाकिरण खान की रचनाएं ह्रदय तक पहुंचती है। उन्होंने मैथिली भाषा की प्रसिद्ध लेखिका की रचनाओं को याद करते हुए कहा कि मिथिला ब्राह्मणों की ही नहीं विद्वानों की भूमि है।

भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल ने कहा कि ऊषा किरण के लिए विद्या ही उनका मिशन था, वह ऐसी दुर्लभ लेखिका थीं जिन्हें बाबा नागार्जुन अपनी बेटी की तरह मानते थे। उन्होंने कहा कि ऊषा किरण खान पर माँ सरस्वती की विशेष कृपा थी।

प्रसिद्ध कथाकार डॉ. उर्मिला शिरीष ने उषा किरण खान विलक्षण लेखिका बताते हुए कहा उनके पास ज्ञान का अपरिमित स्त्रोत था। वे किसी भी विषय पर गहराई तक जा कर बातें करती थीं जो एक शिक्षाविद होने के नाते उन्हें बेहद पसंद था। उषा जी का लेखन जितना समृद्ध था उनका व्यक्तित्व उतना ही विराट। सबको साथ लेकर चलना उनका विशेष गुण था। वे कालजयी लेखिका थीं। कार्यक्रम में वरिष्ठ कथाकार डॉ. संतोष श्रीवास्तव भी शामिल हुए।

कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ जो भारत को खरीद सके

● राहुल के बयान पर सरकार का पलटवार, ट्रेड डील पर सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू लोकसभा में उस समय भड़क जब नेता विपक्ष राहुल गांधी ने ट्रेड डील पर कहा कि सरकार ने देश को अमेरिका के हाथों बेच दिया।

राहुल गांधी के इस बयान पर किरण रिजिजू ने कहा कि आज तक कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ जो भारत को खरीद सके।

असल में बजट पर चर्चा करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर सवाल खड़ा किया।

उन्होंने कहा कि ट्रेड डील बराबरी की शर्त पर नहीं की गई और "सरकार को शर्म आनी चाहिए कि उसने भारत माता को बेच दिया है"।

भारत माता को बेच दिया गया, जिस पर सरकार को शर्म आनी चाहिए: राहुल

उन्होंने दावा किया, "हमारे किसान तूफान का सामना कर रहे हैं...आपने हमारे किसानों को कुचले जाने का रास्ता खोला है। आपसे पहले किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया और आगे भी कोई प्रधानमंत्री नहीं करेगा।" उन्होंने आरोप लगाया कि इस समझौते में "भारत को बेच दिया गया, मां (मदर) को बेच दिया गया, भारत माता को बेच दिया गया, जिस पर सरकार को शर्म आनी चाहिए।" नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि "हमें अपने लोगों, डेटा, खाद्य आपूर्ति और ऊर्जा तंत्र की सुरक्षा करनी होगी।" उन्होंने कहा कि बजट में इस बात को माना गया है कि ऊर्जा और वित्त को दुनियाभर में हथियार बनाया जा रहा है, लेकिन इस बारे में बजट में किसी कदम का उल्लेख नहीं है।

राहुल गांधी ने क्या कहा कि नाराज हो गए किरेन

राहुल गांधी ने कहा, "अमेरिका और चीन के बीच मुकाबले में सबसे महत्वपूर्ण बात भारत का डेटा है। अगर अमेरिका महाशक्ति बने रहना चाहता है और डॉलर की रक्षा करना चाहता है तो अमेरिकियों के लिए भारत का डेटा बहुत महत्वपूर्ण है।" कांग्रेस नेता ने कहा, "कुछ लोग कहते हैं कि जनसंख्या त्रासदी है, लेकिन मैं कहता हूं कि यह ताकत है।" राहुल गांधी ने कहा कि अगर विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की सरकार होती और व्यापार समझौते की बात करती तो "हम अमेरिका के राष्ट्रपति से कहते कि आप के डॉलर की सुरक्षा करने की सबसे बड़ी पूंजी (डेटा) भारतीय लोगों के पास है।" उन्होंने कहा, "हम बराबरी पर बात करते। हम कहते कि आप ऐसे बात नहीं कर सकते कि हम आपके नौकर हैं।

'पेंशन कोई ईनाम नहीं, यह कानूनी और संवैधानिक अधिकार

● हाईकोर्ट ने ममता सरकार को लगाई फटकार,डॉक्टर की विधवा से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने पेंशन को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि पेंशन कोई उपहार या मुफ्त भुगतान नहीं है। कोर्ट ने एक मेडिकल ऑफीसर की विधवा को पेंशन लाभ देने से इनकार करने वाले राज्य के आदेश को रद्द कर दिया।

विधवा ने अपने दिवंगत पति की 22 वर्षों की नौकरी से संबंधित पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभों की मांग की थी। इसी संबंध में याचिका लगाई गई थी, जिसपर जस्टिस गौरांग कांत सुनवाई कर रहे थे। कोर्ट ने 5 फरवरी को कहा कि पेंशन वैधानिक और संवैधानिक अधिकार है। कोर्ट के आदेश में आगे कहा गया कि राज्य और उसके संस्थानों ने याचिकाकर्ता को नियमित कर्मचारी के रूप में प्रस्तुत किया था और उसकी सेवाओं से लाभ प्राप्त किया था और इसलिए रिटायरमेंट के फेस में वे पीछे नहीं हट सकते। याचिकाकर्ता महिला के पति की नियुक्ति मार्च 1994 में दमदम नगर निगम विशेष अस्पताल में आवासीय चिकित्सा अधिकारी के पद पर हुई थी। उन्होंने जुलाई 2016 में अपनी मृत्यु तक निरंतर और बेदाग सेवा की।

'पति 20 वर्षों से अधिक समय तक सेवा में थे'

महिला की ओर से पेश हुए अधिवक्ता सप्तर्षि रॉय ने कहा कि याचिकाकर्ता के पति 20 वर्षों से अधिक समय तक सेवा में थे और राज्य ने उन्हें सरकारी कर्मचारी को मिलने वाले सभी लाभ प्रदान किए हैं। उन्होंने तर्क दिया कि उनके सभी समकक्षों और समान परिस्थितियों वाले लोगों को पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ मिल रहे हैं, इसलिए उनके पद की पूर्व स्वीकृति आवश्यक है। राज्य और नगरपालिका की ओर से पेश हुए अधिवक्ता सत्यजीत महाता ने तर्क दिया कि 1994 में केवल दो पद सृजित किए गए थे, जबकि चार चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई थी।

बीएमसी में पहली बार बीजेपी का मेयर

● निर्विरोध चुनी गईं रितु तावड़े, संजय घाड़ी बने उपमहापौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा पार्षद रितु तावड़े मुंबई नगर निगम की निर्विरोध मेयर चुनी गईं। शिवसेना (यूबीटी) की ओर से उम्मीदवार न उतारने के फैसले के बाद चार दशकों में पहली बार मुंबई की महापौर भाजपा से चुनी गई हैं। इस चुनाव के निर्विरोध होने से ठाकरे परिवार का सबसे धनी नगर निकाय पर 25 वर्षों का वर्चस्व खत्म हो गया। रितु तावड़े घाटकोपर पश्चिम से तीन बार की पार्षद है। उन्हें नागरिक प्रशासन और जन कल्याण में जमीनी स्तर की राजनीति का एक दशक से अधिक का अनुभव है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, तावड़े अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण और सामुदायिक जुड़ाव के लिए जानी जाती हैं और उन्होंने प्रशासनिक दक्षता और स्थानीय लोगों से गहरे जुड़ाव को संयोजित करने वाली नेता के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई है। 227 सदस्यीय नगर निकाय के बीएमसी चुनावों में, भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि सहयोगी शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 118 पार्षदों की परेड की।

कुर्की के समय आत्महत्या के मामले में नमकीन कारोबारी का भी नाम आया

पत्नी का आरोप, लोन में फंसाकर पैसा बेटी की कंपनी में लगाया

इंदौर। मकान की कुर्की के समय खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने वाले इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक के मैनेजर हेमंत ब्रह्मवंशी के मामले में पुलिस के सामने नई कहानी आई। आत्महत्या करने वाले हेमंत की पत्नी हेमलता ने आरोप लगाया कि पति को बैंक लोन के चक्कर में एक नमकीन कारोबारी उमेश जाजू ने उलझाया और सारा पैसा हड़पकर पीछे हट गया। हेमलता ब्रह्मवंशी ने पुलिस को बताया कि हेमंत की उमेश से दोस्ती थी। वे उसकी दुकान पर नमकीन लेने जाते थे। पति ने उमेश से अपनी किडनी संबंधी बीमारी का जिक्र किया किडनी ट्रांसप्लांट को लेकर चर्चा की।

उमेश ने सलाह दी कि किडनी ट्रांसप्लांट में 40 लाख से ज्यादा का खर्च आता है। उसी ने पति को सलाह दी कि वे स्कीम 54 वाला मकान बैंक में गिरवी रखकर 2 करोड़ का लोन ले लें। उस लोन के पैसे को राजस्थान में उमेश की बेटी की कंपनी में लगा देंगे। कुछ समय में 10 से 15 करोड़ का रिटर्न मिल जाएगा, उससे मकान भी लोन से छुड़वा लेना। उमेश की बातों में पति ने लोन लेकर हमारी जानकारी के बिना जाजू के कहने पर लगा दिए।

आत्महत्या मामले में बयान

डेढ़ करोड़ से अधिक की रिकवरी के चलते बैंक विजयनगर में मकान सील करने पहुंची थी। इस दौरान लोन धारक हेमंत ब्रह्मवंशी ने खुद की लाइसेंसी बंदूक से कनपटी पर गोली मार ली थी। मामले में पुलिस ने अभी गमगीन परिवार से बयान नहीं ले पाई है। परिजनों के बयान लिए जाएंगे। इसके बाद ही पता चलेगा कि लोन के पैसे का मृतक ने क्या उपयोग किया।

जेवर गिरवी रखवा दिए - हेमलता का आरोप है कि उमेश 2 करोड़ के लोन में जमानतदार भी है। कोर्ट के कुर्की आदेश में उमेश की बेटी व उमेश का भी नाम है। लोन के 2 करोड़ रुपए के अलावा उमेश के कहने पर पति ने मेरे सोने के जेवर भी गिरवी रखवा दिए। राऊ का मकान भी 40 लाख में बिकवा दिया। दुकान भी बिकवा दी। खेती की जमीन भी बिकवा दी। बैंक के नोटिस, किडनी की बीमारी, डायलिसिस की चिंता व उमेश के सहयोग नहीं किए जाने से पति तनाव में आ गए और आत्महत्या कर ली। इस मामले में उमेश जाजू का कहना है कि हेमंत से परिचय था, लेकिन परिवार ने जो आरोप लगाए, वे गलत हैं। विजय नगर के टीआई चंद्रकांत पटेल ने कहा कि बैंककर्मी हेमंत ब्रह्मवंशी की आत्महत्या में हर बिंदु पर जांच की जा रही है। पत्नी व परिवार के सदस्यों के बयान नहीं हुए हैं। महाराष्ट्र बैंक के अधिकारियों ने कोर्ट के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई करने का पक्ष रखा है। पत्नी ने यदि किसी पर आरोप लगाए हैं तो हम उसकी भी गंभीरता से जांच करेंगे, फिलहाल मर्ग कायम है।

बाणगंगा में 60 लाख की चोरी, जेवर और सब नकदी गायब

वैष्णोदेवी से लौटा परिवार तो सामान बिखरा मिला

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में 5 फरवरी को सनसनीखेज चोरी की वारदात हुई। घटना की जानकारी परिवार को 9 तारीख को मिली। चोर सूने मकान का ताला तोड़कर वहां से 25 लाख रुपए के जेवर, 35 लाख रुपए नकद सहित कुल 60 लाख के माल पर हाथ साफ कर गए। यह वारदात उस समय हुई, जब मकान मालिक दंपति 5 फरवरी को वैष्णोदेवी की यात्रा पर गए हुए थे और घर कई दिनों से सूना पड़ा था। चोरों ने इसी मौके का फायदा उठाया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना बाणेश्वरी कुंड के पीछे स्थित डागर मोहल्ले की है। यहां रहने वाले विनोद यादव ने बताया कि वे प्रापर्टी ब्रोकर का काम करता था। कुछ दिन पहले उसने 35 लाख रुपए में एमआईजी थाना अंतर्गत आने वाले राम नगर में प्लाट बेचा था। यह पैसे बैंक में जमा न कराते हुए घर के लाकर में रख दिए थे। 9 सोमवार को जब वे यात्रा से लौटकर घर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि घर का सामान बिखरा हुआ है और अलमारियों के ताले टूटे हुए हैं। अंदर जाकर जांच करने पर पता चला कि घर से भारी मात्रा में सोने के आभूषण और नकदी गायब है।

कैमरे में तीन संदिग्ध दिखे

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घर का मुआयना किया और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है, ताकि किसी प्रकार के सुराग जुटाए जा सकें। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाले, जिसमें तीन संदिग्ध घर में प्रवेश करते नजर आए। आशंका जताई जा रही है कि चोरों को घर के सूने होने और अंदर रखी नकदी की जानकारी पहले से हो सकती है। फिलहाल पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

नशे के लिए पैसे मांगे तो जुलूस निकाला

इंदौर। चंदन नगर पुलिस ने चाकूबाजी की सनसनीखेज घटना का खुलासा करते हुए आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विशाल उर्फ नागिन नशे की हालत में अवैध रुपयों की मांग कर रहा था और विवाद के दौरान युवक पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, 8 फरवरी की रात राज नगर सेक्टर एफ में आरोपी ने अभिषेक पिता राजेंद्र भगड़े को चाकू मारकर घायल कर दिया। घायल अवस्था में युवक को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज किया गया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए धारा 119(2), 115(3), 351 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त चाकू जप्त किया। इसके बाद पुलिस आरोपी को जुलूस के रुप में घटनास्थल पर लेकर पहुंची, जहां नागरिकों के सामने अपराध के दुष्परिणाम बताए गए। आरोपी ने फरियादी एवं जनता से माफी मांगी।

छात्रा का हाथ पकड़ने वाले टीचर की पिटाई

इंदौर। कोचिंग टीचर ने हाईस्कूल की नाबालिग छात्रा से पहले तो अश्लील हरकत की, बाद में उसे अपने केबिन में खींच लिया। छात्रा ने शोर मचाया तो टीचर भाग निकला। परिजनों को जानकारी लगी तो उन्होंने टीचर को पकड़कर जमकर पीटा और अन्नपूर्णा पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस को छात्रा ने बताया कि वह सोमवार शाम साढ़े पांच बजे कोचिंग गई थी। कुछ कागजात न होने के कारण पहली मंजिल पर बने क्लासरूम में बैग रखकर नीचे आई। इसी दौरान टीचर आदेश ने इशारे से अपने पास बुलाकर बैठने को कहा। बाद में आदेश पैसेज एरिया में चला गया। वहां बुलाकर छात्रा से किस करने की बात कही। छात्रा का हाथ पकड़कर उसे केबिन में ले गया, जबरन अपनी ओर खींचने की कोशिश की। छात्रा किसी तरह वहां से निकलकर ऊपर सीनियर टीचर के पास पहुंची और पूरी घटना बताई। छात्रा का आरोप है कि सीनियर टीचर ने मामले को दबाने का प्रयास किया। इसके बाद जब छात्रा बैग उठाने गई तो आदेश फिर उसके पास आया। उसके बैग से परफ्यूम निकालकर अपने कपड़ों पर लगा लिया। घबराई छात्रा वहां से भागकर घर पहुंची। परिजन को घटना के बारे में बताया। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

हेलमेट जागरूकता अभियान कार्यक्रम

इंदौर। दुर्घटनाओं से सबक मिलने और पुलिस की सकारात्मक पहल का असर यह हुआ कि 5 युवाओं को हेलमेट अपनाने के लिए प्रेरित किया। इन युवकों ने अब हेलमेट पहनना अपनी दिनचर्या बना लिया है। यह बात हेलमेट जागरूकता अभियान कार्यक्रम में युवकों ने कही। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों की गंभीरता समझाई गई। वहीं, जिन वाहन चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था, उनके विरुद्ध पहले नियमानुसार चालानी कार्रवाई की। तत्पश्चात उन्हें सुरक्षा के महत्व को समझाते हुए हेलमेट भी वितरित किए गए। जो चालक स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर यातायात नियमों का पालन करते हुए पाए गए, उन्हें पुलिस ने उपहार दिए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य लोगों में नियमों के प्रति डर नहीं बल्कि स्वेच्छा से पालन की भावना विकसित करना है।

फर्जी हस्ताक्षर से फर्टिलाइजर कंपनी हड़पी

इंदौर। खरगोन जिले की निमरानी गांव में संचालित उत्तम आर्गेनिक फर्टिकेम प्रालि के कर्ताधर्ताओं पर फर्जी हस्ताक्षर कर कंपनी हड़प ली। इस दौरान करोड़ों की अफरा तफरी किए जाने का आरोप पीड़िता अंबिका अग्रवाल ने लगाए हैं। पीड़िता ने बताया कि कंपनी का ऑफिस क्लिफटन कारपोरेट पर है। कंपनी की स्थापना अंबिका और राजेश उपाध्याय ने 50-50 फीसदी हिस्सेदारी के साथ वर्ष 2010 में शुरू की थी। बाद में सोनू अग्रवाल, आस्था अग्रवाल, हरगोविंद यादव, राजे कुमार मल्लिक ने पीड़िता के फर्जी हस्ताक्षर कर कंपनी के शेयर्स अन्य लोगों को ट्रांसफर कर दिए। इससे पीड़िता की हिस्सेदार 2.5 प्रतिशत रह गई। फर्जी हस्ताक्षर का पता तब चला जब पीड़िता ने जांच एजेंसियों को शिकायत की। पुलिस कमिश्नर के पास पहुंचा। इसमें जांच के आदेश दिए गए। थाना तुकोगंज में इस प्रकरण की जांच की जा रही है।

स्प्रिट व हाथ भट्टी शराब जब्त की गई

इंदौर। आबकारी विभाग ने जिले की दो तहसीलों में दबिश देकर वहां से हजारों की हाथ भट्टी शराब और स्प्रिट जब्त की है। यह कार्रवाई क्रमशः महू और सांवेर वृत के ग्रामीण क्षेत्रों में 9 फरवरी को की गई। इस क्रम में कंट्रोलर देवेश चतुवेर्दी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में प्रभावी कार्रवाई की गई। वृत्त सांवेर अंतर्गत उप निरीक्षक त्रिअंबिका शर्मा एवं उनकी टीम ने ग्राम महाराजगंज खेड़ा क्षेत्र में झाड़ियों के पास से 10 लीटर तथा कुछ दूरी पर नाले के पास से 15 लीटर की केन में गहरे रंग की हाथभट्टी मदिरा जब्त की गई। मामले में फरार आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(फ) एवं 49(क) के अंतर्गत दो पृथक प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। जब्त मदिरा के नमूने परीक्षण के लिए एफएसएल भेजे गए। महू वृत्त प्रभारी पवन टिकेकर द्वारा बड़गोंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत आड़ा पहाड़ के नाले किनारे से ओवर प्रूफ (ओपी) स्प्रिट जब्त की गई।

लूट कांड में गिरफ्तार 4 में से दो सिपाहियों को कोर्ट में पेश किया

नावेद का रिमांड, तीन आरोपियों को जेल भेज दिया गया

इंदौर। व्यापारी से लूट के मामले में मंगलवार को पलासिया थाना क्षेत्र में दो सिपाहियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों से कुछ नकदी जब्त की है। चारों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से एक को रिमांड पर लिया गया और तीन को जिला जेल भेज दिया। एसीपी तुषार सिंह ने अब्दुल फहद की शिकायत पर सोहेल और नावेद के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कराया था। एफआईआर में दो अन्य साथियों के शामिल होने का ज़िक्र किया गया था। मंगलवार को मनोज और अविनाश की भी गिरफ्तारी की गई। चारों को कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने नावेद को रिमांड पर सौंपा, जबकि सोहेल, मनोज और अविनाश को जिला जेल भेज दिया गया।

वारदात के बाद ड्यूटी से गायब - मनोज को पूर्व में पत्नी की शिकायत पर डीसीपी ने कार्यालय से संबद्ध किया था। अविनाश श्रीनगर बीट में पदस्थ था। घटना के बाद दोनों अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए।

पुलिस अधिकारियों ने दर्ज प्रकरण में चारों के शामिल होने की बात लिखी थी। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने मनोज और अविनाश से लूटी गई दो लाख रुपए की राशि में से कुछ रकम जब्त की है। परिवार को सूचना दे दी गई है। जमानत पर कोई बहस नहीं हुई। सेशन कोर्ट में अपील की संभावना जताई गई है।

मादक पदार्थ पकड़ने वाले छह पुलिसकर्मियों का सम्मान किया

यातायात प्रबंधन करने में सराहनीय कार्य पर सम्मान हुआ

इंदौर। मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स और ब्राउन शुगर जब्त कराने में 6 पुलिसकर्मियों और अपने कर्तव्य का बेहतर निर्वहन करने वालों को प्रतिसाद मिला। जनसुनवाई के बाद सभी को पुलिस आयुक्त संतोषसिंह ने प्रशस्ति पत्र और नकद राशि देकर सम्मानित किया। उपनिरीक्षक प्रवीण जाधव, आरक्षक नारायण सिंह, आरक्षक कमलेश चोरे थाना राऊ ने 62 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त कराई थी। प्रधान आरक्षक ओमप्रकाश थाना मल्हारगंज को ऑपरेशन मुस्कान के तहत 24 घंटे के अंदर नाबालिग बालिका को दस्तयाब करने, आरक्षक भूपेश शर्मा थाना मल्हारगंज क्षेत्रांतर्गत चरण पादुका यात्रा के दौरान 15 वर्षीय बालिका का तबीयत खराब होने, कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक मनोज कुमार दुबे, प्रधान आरक्षक नागेंद्र यादव थाना आजादनगर को चोरी के आरोपी पकड़ने, उपनिरीक्षक अजय मार्को, कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक जगन्नाथ गुर्जर, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक राजेंद्र देशमुख थाना कोतवाली को शराब तस्करों को पकड़ने, उपनिरीक्षक अक्षय खडिया, प्रधान आरक्षक अजय ठाकुर, प्रधान आरक्षक संदीप सिंह थाना अपराध शाखा को ब्राउन शुगर सहित आरोपी को पकड़ने पर पुरस्कार दिया गया।

इसी प्रकार आरक्षक जितेंद्र सिंह, रंजीत सागोरे, प्रशांत को कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका ऑनबोर्ड समय सीमा में करने, ट्रैफिक आरक्षक टोनिका मौर्य को आईटी पार्क पर बेहतर यातायात प्रबंधन करने, आरक्षक नीरज तिवारी ट्रैफिक प्रहरी अभियान हेतु तकनीकी कार्य तथा मंजू को इंडस्ट्री हाउस चौराहे पर बेहतर यातायात प्रबंधन करने में सराहनीय भूमिका निभाने पर नवाजा गया।

ईडी ने नगर निगम अधिकारी की 1.06 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

परिजनों के नाम की संपत्तियां पीएमएलए के तहत अटैच

इंदौर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के इंदौर सब-जोनल कार्यालय ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत बड़ी कार्रवाई की। इंदौर नगर निगम के सहायक राजस्व अधिकारी राजेश परमार और उनके परिवार के नाम दर्ज 1.06 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोपों के आधार पर की गई। ईडी द्वारा कुर्क की गई संपत्तियों में एक आवासीय मकान, कई प्लॉट, एक फ्लैट और कृषि भूमि शामिल है, जो राजेश परमार एवं उनके परिजनों के नाम पर पंजीकृत हैं। ईडी ने यह जांच भोपाल की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी, जो भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं के तहत दर्ज की गई थी। जांच में सामने आया कि वर्ष 2007 से 2022 के बीच लगभग 1.66 करोड़ रुपए की संपत्तियां अर्जित की गईं, जो उनकी ज्ञात आय से करीब 175 प्रतिशत अधिक थीं। संदिग्ध अपराध की आय का मूल्य लगभग 1.21 करोड़ रुपए आंका गया है। ईडी के अनुसार, अवैध रूप से अर्जित धन का उपयोग सीधे अचल संपत्तियां खरीदने में किया गया। साथ ही बैंक खातों में बड़ी मात्रा में नकद जमा कर धन के स्रोत को छिपाने का प्रयास किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी वैध स्रोत से संबंधित कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। ईडी ने स्पष्ट किया है कि मामले में आगे की जांच जारी है।

चोइथराम सब्जी मंडी को सूरत जैसी दो मंजिल बनाने की तैयारी

इससे व्यापारियों को राहत और मंडी की आय भी बढ़ेगी

इंदौर। अब सूरत की तर्ज पर आधुनिक डबल स्टोरी में विकसित की जाएगी। यह मंडी न सिर्फ इंदौर बल्कि पूरे मालवा-निमाड़ अंचल के किसानों और व्यापारियों के लिए बड़ी सौगात साबित होगी। वर्षों से फल, फूल और सब्जियों के व्यापार का प्रमुख केंद्र रही चोइथराम मंडी को ही अपग्रेड कर डबल स्टोरी मंडी के रूप में विकसित किया जाएगा। खास बात यह है कि इस साल ही इस महत्वाकांक्षी परियोजना की डिजाइन तैयार करने का काम शीघ्र शुरू होगा। यह प्रदेश की सबसे बड़ी फल, फूल और सब्जी मंडी मानी जाती है। यहां प्रतिदिन मालवा और निमाड़ के साथ-साथ आसपास के जिलों से हजारों किसान अपनी उपज लेकर व्यापार के लिए आते हैं। मंडी में हर साल करोड़ों रुपए का कारोबार होता है, लेकिन अब तक बुनियादी सुविधाओं और जगह की कमी व्यापारियों और किसानों दोनों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी। डबल स्टोरी मंडी बनने के बाद इन समस्याओं से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में यहां करीब 400 के आसपास दुकानें संचालित हो रही हैं। नए प्रोजेक्ट के तहत दुकानों की संख्या बढ़ाकर 600 से अधिक की जाएगी। इससे न केवल व्यापारियों को अतिरिक्त जगह मिलेगी, बल्कि नए व्यापारियों को भी अवसर मिलेंगे। डबल स्टोरी व्यवस्था से मंडी में जगह का बेहतर उपयोग होगा और यातायात व्यवस्था भी पहले से ज्यादा सुगम हो सकेगी।

यह सुविधाएं मिलेंगी

इस मंडी को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसमें बेहतर पार्किंग व्यवस्था, चौड़े रास्ते, लोडिंग-अनलोडिंग के लिए अलग जोन, साफ-सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने में आसानी होगी और ग्राहकों को भी बेहतर सुविधा मिलेगी। मंडी सचिव रामवीर किरार ने बताया कि लंबे समय से नई दुकानों को लेकर कवायद चल रही थी। फूल, फल मंडी को स्थानांतरित करने की योजना भी बनाई थी, लेकिन अब डबल स्टोरी बनने से स्थानातंरण रुक जाएगा।

दंपत्ति ने किराए की कार खुर्दबुर्द की, अपनी बताकर चोरी की गाड़ी बेची

आरसी ट्रांसफर कराने की बात आई तो टालमटोल करने लगा

इंदौर। कनाडिया थाना क्षेत्र में दंपति और उसके साथी ने चोरी की कारों को अपनी बताकर पीड़ित को साढ़े 10 लाख रुपए में बेच दी। फरियादी आलोक नगर निवासी जीतू उर्फ जितेंद्र परमार की शिकायत पर मोहम्मद फिरोज शेख, उसकी पत्नी शबाना और एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी शांति विहार कॉलोनी के रहने वाले बताए जा रहे हैं और मूल रूप से उदयपुर के निवासी हैं। जितेंद्र ने बताया कि उसने आरोपियों से दो कारें खरीदी थीं। पहली कार का सौदा 4.50 लाख और दूसरी का 6 लाख रुपए में तय हुआ था। आरोपी फिरोज ने खुद को कार खरीद-फरोख्त का व्यवसायी बताते हुए कहा कि एक कार वह अपने लिए और दूसरी अपने भाई ललित के लिए ले रहा है।

एग्रीमेंट कर रकम ली- फिरोज ने दोनों कारों के लिए एग्रीमेंट तैयार किया और पूरी रकम अपने पास रख ली। इसके बाद कारों की डिलीवरी भी पीड़ित को दे दी गई। हालांकि, जब आरसी ट्रांसफर कराने की बात आई तो आरोपी टालमटोल करने लगा। अक्टूबर 2025 में नीलगंगा थाना पुलिस जब कार जब्त करने इंदौर पहुंची, तब सच्चाई सामने आई। पुलिस जांच में दोनों कारें चोरी की पाई गईं। इसके बाद जितेंद्र ने कारें पुलिस को सौंप दीं और बताया कि उसने ये वाहन फिरोज से एग्रीमेंट के जरिए खरीदे थे।

जांच के बाद एफआईआर- पीड़ित ने पूरे मामले की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी। जांच के बाद कनाडिया थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

महिला बोली, नशा बेचने वाले पति से ज्यादा मुझे मेरा कानून प्यारा

पति की शिकायत पुलिस कमिश्नर से कर उसे पकड़ा दिया

इंदौर। शहर में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने यह साबित कर दिया कि जब महिला ठान ले तो वह समाज और कानून दोनों के लिए मिसाल बन सकती है। मल्हारगंज निवासी अकाउंटेंट महिला मंजू भिड़े ने अपने पति बुद्धकिरण, जो पान दुकान की आड़ में ड्रग्स सप्लाई कर रहा था, उसके खिलाफ आवाज उठाई। महिला ने पुलिस कमिश्नर के तस्कर पति की शिकायत करते हुए कहा कि मुझे पति से ज्यादा कानून से प्यार है। शिकायत में महिला ने कई जानकारियों का उल्लेख किया। उसने बताया कि पति लंबे समय से घर में गांजा, नशीली पुड़िया और तौल कांटे रखकर नशे का अवैध कारोबार कर रहा था, जिससे उनकी दो नाबालिग बेटियों की पढ़ाई और मानसिक स्थिति प्रभावित हो रही थी। विरोध करने पर पति और ससुराल पक्ष द्वारा जान से मारने की धमकियां दी जाती थीं।

आठ दिन पहले पीटा भी - 4 फरवरी को पीड़िता के साथ पति ने बेरहमी से मारपीट की। मारपीट से उसकी आंख के ऊपर 7-8 टांके आए। इसकी एफआईआर मल्हारगंज थाने में दर्ज हुई, लेकिन जब पीड़िता ने घर में रखे नशे के सामान की जब्ती की मांग की तो पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

मुहिम से प्रभावित हुई- महिला ने शिकायत में कहा कि पिछले दिनों पुलिस ने क्षेत्र में नशा मुक्ति अभियान चलाया था। इस अभियान की वह साक्षी थी। इसी से प्रेरणा लेकर शिकायत करने की हिम्मत जुटा पाई।

9 फरवरी को पति की गैरमौजूदगी में पीड़िता ने घर में रखे गांजे-ड्रग्स की पुड़ियों का वीडियो बनाया और सबूतों के साथ पुलिस कमिश्नर को भेजा। इसके बाद लसूड़िया पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर देर रात भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया। कार्रवाई से जहां कई कॉलेज और होस्टल छात्राओं की जिदगियां बच सकती है, वहीं मल्हारगंज थाना पुलिस की निष्क्रियता भी उजागर हुई।

पुलिस ने बाग-टांडा के बदमाशों से लाखों का माल बरामद किया

बदमाश बोलेरो गाड़ी से घूमकर रेकी कर वारदात करते

इंदौर। लसूड़िया पुलिस ने धार जिले की बाग टांडा गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लाखों का माल बरामद किया है। बदमाश बोलेरो गाड़ी से घुमकर वारदात कारित थे। दूसरी बार चोरी की घटना को अंजाम देने घुम रहे थे, तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस के अनुसार 24 जनवरी की रात करीब 3.57 बजे फरियादी अनिल जायसवाल सो रहे थे, तभी उन्होंने घर में कुछ अजीब आवाजें सुनी। इसके बाद शोर मचाया, जिससे चोर मौके से भाग गए। घर के सीसीटीवी कैमरे जांचने पर पता चला कि नकाबपोश चोर मेन गेट का ताला तोड़कर चोरी की नीयत से घर में घुसे थे। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। घटना के आरोपियों को पकड़ने पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबीर तंत्र सक्रिय किए। इसी बीच 7 फरवरी को पुलिस ने एमआर 12 रोड पर संदिग्ध अवस्था में खड़े दो युवकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों ने कनक एवेन्यू में हुई चोरी की घटना और लसूड़िया क्षेत्र के अन्य घरों में चोरी की बात स्वीकार की। आरोपियों की निशानदेही पर तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार किया।

पकड़े गए आरोपियों में भदर सिंह पिता भूरसिंह ग्रेवाल ग्राम खनिअम्बा, थाना टांडा, थावसिंह पिता मगरसिंह निवासी ग्राम तरसिंगा, थाना टांडा तथा ध्यान सिंह पिता कमरू निवासी ग्राम तरसिंगा, थाना टांडा है। आरोपियों से अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

संपादकीय

मप्र में नक्सलवाद का खात्मा

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यह दावा कि मध्यप्रदेश से नक्सलवाद का पूरी तरह से खात्मा हो गया है, प्रतीकात्मक ज्यादा है, क्योंकि मप्र में नक्सलवाद अन्य पड़ोसी राज्यों की तरह पैर जमा ही नहीं पाया था। जो थोड़ी बहुत कोशिशें हुई तो मप्र पुलिस ने उस पर भी अपनी सतर्कता से पानी फेर दिया। इसका श्रेय राज्य की पुलिस को दिया जा सकता है। मप्र में नक्सलवाद का कुछ असर छग से लगे जिले मंडला और बालाघाट के सीमित हिस्से में रहा है। कहा जाता है कि छग के नक्सली मप्र के इन जिलों में पनाह लेते थे और ज्यादातर हिंसक गतिविधियां छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में करते थे। पिछले दिनों अंतिम दो नक्सलियों ने भी आत्मसमर्पण कर दिया था। अब सरकार का दावा है कि वहां भी इसे कुचल दिया गया है। यही नहीं राज्य में नक्सलवाद की पूर्णतया समाप्ति की ऐतिहासिक उपलब्धि पर बालाघाट जिले में आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव को सम्मानित किया गया। साथ ही नक्सल विरोधी अभियानों में अदम्य साहस दिखाने वाले मध्य प्रदेश पुलिस के 60 जवानों को क्रम से पूर्व पदोन्नति देकर अलंकृत किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से 100 करोड़ रुपए से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। साथ ही राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों पर आधारित एक विशेष पुस्तक का विमोचन भी किया और बालाघाट जिले के पुलिस थानों और प्रतिष्ठानों को आईएसओ प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने इस बात का खासतौर पर उल्लेख किया कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तय डेड लाइन 31 मार्च 2026 के पहले ही मप्र में नक्सलियों का पूरी तरह सफाया कर दिया गया है। इससे अब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गंगा बह सकेगी। नक्सलवाद और लाल आतंक देश के हर हिस्से में विकास आधारित गतिविधियों में बाधक था। इससे आम नागरिकों में इसके कारण भय का माहौल होता था। ऐसे में नक्सलियों और नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही। पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों ने बालाघाट में अंतिम दो नक्सलियों का आत्मसमर्पण कराया और मध्यप्रदेश ने लाल सलाम को आखिरी सलाम कर दिया। अब इससे प्रभावित क्षेत्रों में विकास को एक नई दिशा और एक नई रफ्तार मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों के पुनर्वास के लिए विशेष योजना बनाई है। साथ ही प्रदेश में अब एक ऐसा तंत्र भी विकसित किया जाएगा, जिससे दोबारा मध्यप्रदेश की धरती पर नक्सलवादी या अन्य अतिवादी मूवमेंट खड़े न हो पाएं। इसके लिए सभी पड़ोसी राज्यों के साथ भी जरूरी समन्वय किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में वर्ष 1988-90 से नक्सली गतिविधियों की शुरुआत हुई थी। नक्सलियों ने आम नागरिकों को डरा-धमकाकर परेशान किया और कई हिंसक गतिविधियों को अंजाम दिया। कांग्रेस शासनकाल में एक मंत्री की तो घर में घुसकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद सरकार ने बहुस्तरीय नीति पर काम शुरू किया। एक तरफ पुलिस को साधन सम्पन्न बनाया गया और नक्सलियों के सफाए के लिए व्यापक अभियान चलाया गया तो दूसरी तरफ नक्सलियों को समाज की मुख्य धारा में लौटने के लिए कई तरह प्रलोभन व सुविधाएं दी गईं। इसके सकारात्मक नतीजे मिलने लगे। वैसे भी देश में नक्सलवाद को पनपे आधी सदी से ज्यादा हो चुका है, लेकिन इससे लोगों को क्या लाभ हुआ तो इस सवाल का जवाब शून्य ही है। हिंसा के रास्ते से कुछ हासिल नहीं किया जा सकता। जो नक्सली समाज की मुख्य धारा में लौटे हैं वो अब चैन की जिंदगी बसर कर रहे हैं। यही होना भी चाहिए।

भारतीय जाति की अजीब जंगल कथा

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

आज़कल भारत में भारत बोध कुछ ज्यादा ही पॉपुलर हो चुका है। सभी भारतीय होने, सनातन होने, अपने पूर्वजों के साहस व पराक्रम के बोध को खूब एहसास करने लगे हैं या उसे जी रहे हैं। आज़ यह कहा जा रहा है कि अपने पूर्वजों पर गर्व करो। भारतीय होने पर गर्व करो। भारतीय संस्कृति पर गर्व करो और अपने पूर्वजों के संघर्ष व उनके द्वारा किए गए कार्यों पर गर्व करो। यह अच्छी बात है। साथ-साथ यह देखा जा रहा है कि भारतीय समाज अनेक जातियों में भले रहते हुए एक जैसी समस्याओं से जूझ रहा है लेकिन उसे अपने जाति में जन्में पूर्वजों पर गर्व होने भी लगा है। वह इसके लिए पोस्टर बना रहा है। श्लोगन लिख रहा है। अपने पूर्वजों के कार्यों को स्थापित करने में लगा है। वह यह सब करते हुए अपने आसपास के यथार्थबोध से बहुत दूर जाकर अपने पड़ोसियों के अपनत्व पर शक करने लगा है। वह कल तक ठीक था बस कुछ समय से अपने दिमाग में पड़ोसी दूसरी जाति-समाज से वैर की ग्रंथि के साथ रह रहा है, अंतर आज़ के समाज में बस इतना सा आ गया है।

किसी ने कहा था जाति न पूछो साधु की। इसका अर्थ है कि साधु ही इन सभी बंधनों से मुक्त होता है। उसकी जाति तो उस परम तत्व की हो जाती है। साधु लोग अपने इस अप्रतिम मनुष्य जीवन से मुक्ति के आग्रही हो जाते हैं फिर उनका जन्म किस जाति में हुआ है, शायद उनके लिए यह मायने नहीं रखता। इस कारण ही यह कहा गया कि जाति न पूछो साधु की। लेकिन इन सबसे जो इतर है, उनके बारे में यह कहा जा सकता है कि वे जाति से नहीं निकल सकते क्योंकि हमारी सामाजिक संरचना ही कुछ इस प्रकार का आकार ले चुकी है। जो लोग निकल जाने का स्वांग रचते हैं वे आड़-ओट में अपनी जाति के लोगों से कहना या बताना नहीं भूलते कि उनकी जाति क्या है। यह जो दोहरे चरित्र के साथ वाले मनुष्य के जीने की खुशी, चालाकी और एक तरह का अवसाद है, वह उनके लिए खतरनाक भी हो जाता है लेकिन वे इस हरकत से जीवन भर बाज नहीं आते। ऐसे लोगों को प्रायः अपनी जाति छिपाने की आदत होती है और वे अपने जीवन में इसे छुपाकर भी छुपते नहीं। वे जाहिर हो ही जाते हैं। वे इस समाज में समय-समय पर ज़हर घोलने का काम करते हैं और अपने जैसे चतुर समाज की कामना करते हैं। ऐसे लोग संविधान के आरक्षण व उनकी विशेष जाति को मिलने वाले आरक्षण व सुविधाओं का भोग या लाभ लेने से कभी खुद को वंचित नहीं करते।

खैर, आज़कल भारत में भारत बोध कुछ ज्यादा ही पॉपुलर हो चुका है। सभी भारतीय होने, सनातन होने, अपने पूर्वजों के साहस व पराक्रम के बोध को खूब एहसास करने लगे हैं या उसे जी रहे हैं। आज़ यह कहा जा रहा है कि अपने पूर्वजों पर गर्व करो। भारतीय होने पर गर्व करो। भारतीय संस्कृति पर गर्व करो और अपने पूर्वजों के संघर्ष व उनके द्वारा किए गए कार्यों पर गर्व करो। यह अच्छी बात है। साथ-साथ यह देखा जा रहा है कि भारतीय समाज अनेक जातियों में भले रहते हुए एक जैसी समस्याओं से जूझ रहा है लेकिन उसे अपने जाति में जन्में पूर्वजों पर गर्व होने भी लगा है। वह इसके लिए पोस्टर बना रहा है। श्लोगन लिख रहा है। अपने पूर्वजों के कार्यों को स्थापित करने में लगा है। वह यह सब करते हुए अपने आसपास के यथार्थबोध से बहुत दूर जाकर अपने पड़ोसियों के अपनत्व पर शक करने लगा है। वह कल तक ठीक था बस कुछ समय से अपने दिमाग में पड़ोसी दूसरी जाति-समाज से वैर की ग्रंथि के साथ रह रहा है, अंतर आज़ के समाज में बस इतना सा आ गया है। अब सोचिए कि भारत का क्या होगा?

अपनी जाति के अनुसार हम सबके जीवनचर्या का जो प्रेम था, अब समरसता के नाम पर बेचा जा रहा है। लेकिन परिणाम इसका बहुत बुरा आने लगा है। सवाल यह है कि इस बिक्री खरीदी में फंसे समाज से कोई उम्मीदें हम करें भी या न करें।

मध्य प्रदेश में जो एक ब्यूरोक्रेट्स का हाल ही में बयान आया था उसके बाद क्या हुआ? आपसी झड़प तक हम सब उतारू हो गए। अपने पूर्वजों के झंडे के साथ हम एक दूसरे के आमने सामने आ गए।

हाल ही में एक बार फिर से यह जातीय तेवर व उस पर टिप्पणी सोशल मीडिया में बहस का रूप ले चुकी है। कानपुर की एक बैंक की उस युवती का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक व्यक्ति से उसकी बहस हो गई। इस दौरान एक स्त्री द्वारा अपनी जातीय अस्मिता व स्व-बोध के बाद बहस शुरू हुई है। यह माना जा सकता है कि बैंक संबंधों के दृष्टि से उस तरह का व्यवहार ठीक नहीं था उस युवती का लेकिन इस पूरे मामले को जाति के नाम पर उछाल देना और गलत है। आस्था नामक युवती ने जब कहा-मैं ठाकुर हूं, तो कुछ लोगों ने इसे जातिवाद का मुद्दा बना दिया। जब वह ठाकुर परिवार में जन्मी है तो ठाकुर कहने पर आपत्ति क्यों? हर व्यक्ति को अपनी जड़ों, अपनी चेतना, अपने वंश और अपनी परंपराओं पर गर्व करने का उतना ही अधिकार है जितना किसी और को। जिसका सरकार भी आये दिन घुंटी पिलाती रहती है या जिसे हमारे नेता लोग रोज हमारे यहाँ बोलते हैं। 'मैं ठाकुर हूं' कोई घमंड नहीं था, कोई अतिरेक नहीं था अपितु आत्मसम्मान की आवाज़ थी। यह उस युवती का आत्मबोध भी तो माना जा सकता है। सूर्यवंशी श्रीराम से लेकर महाराणा प्रताप तक का इतिहास है। यह उस संस्कृति और संस्कार की पहचान है, जिसने हमेशा मर्यादा, साहस और सम्मान को सबसे ऊपर रखा है। उस युवती ने जो कहा, उसमें आक्रोश हो सकता है, गुस्सा हो सकता है, लेकिन उसने किसी जाति को तुच्छ या नीचा नहीं कहा, यह सच है। उसमें केवल यह भावना थी कि मैं भी किसी से कमतर नहीं हूँ। उसने बस यह बताया कि वह अपनी विरासत पर गर्व करती है। अपनी चेतना के साथ जीती है। और जो अपने अस्तित्व पर गर्व करता है, वह कभी गलत नहीं होता है। समाज को यह समझना होगा कि आत्मगौरव जातिवाद नहीं होता, यह आत्मसम्मान होता है।

जब देश के बड़े नेता कहते हैं मैं पिछड़ा हूं, मैं आदिवासी हूं, उस समाज को हम रीप्रेजेंट करते हैं, तो ठाकुर लड़की अपनी जाति पर गर्व जताए तो आपत्ति क्यों?

जेन जी की यह मांग है अब कि दोहरा मापदंड बंद करो! या तो आत्मबोध की बात करना बंद करो। सभी सब पर गर्व करें। पहले यह तय करना ही होगा कि किस बात पर गर्व करना है और किस पर नहीं। किस जाति के लोग गर्व कर सकते हैं और कौन नहीं। वरना ऐसी बहसें होंगी। इस पर ज्यादा डंका पीटकर कुछ खास जातियों के साथ जो आज़ बर्ताव शुरू हुआ है वह हमारी बंधुत्व संस्कृति को नष्ट कर रहा है, यह समझना होगा।

भारत में ही रहने वाले लोगों को कहा जाता है कि आप भारतबोध को समझो। भारतीय बोध के साथ जिओ तो वह ब्राह्मण बोध को छोड़कर, ठाकुर बोध को छोड़कर कैसे भारतीय बोध कर सकता है। एक पर करो एक को छोड़ दो। यह कैसे संभव है। फिर तो उसे अपने पूर्वज, कुल, वंश और गोत्र पर भी गर्व करना होगा।

यह एक अजीब सी भारतीय जाति की जंगल कथा है। यह एक जंगल बहस है। जाति के इस घने जंगल से निकल पाना आज़ सच में दिन प्रतिदिन दुरूह होता जा रहा है। इस दुरूहता को समझकर कैसे साझे विकास व विचार विनिमय हों, इसकी खोज अब भारत को करना है। हमें एक दूसरे का सम्मान करना होगा।

वरना जाति में जंगल में लगी आग अफ्रीकी जंगलों में लगी आग से भी भयावह हो सकती है और भारत एक ऐसे पड़ाव पर पहुँच जाएगा जहां रक्तपात व घृणा ही हमें दिखाई देंगे।

जुर्माने के रूप में लगा टैरिफ वापस करेगा अमेरिका

व्यापार समझौता

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत और अमेरिका के बीच तनातनी के चलते हुआ व्यापार समझौता विलक्षण है। इससे कई नए आयाम तो आकर लेंगे ही,वह टैरिफ भी वापस होगा,जो अमेरिका ने जुर्माने के रूप में वसूला है। इस समझौते की एक और खास बात है की भारतीय कृषि और डेयरी उद्योग की सुरक्षा और शुद्धता को कोई नुकसान नहीं होगा,बल्कि किसानों की आय बढ़ेगी।भारत के सम्मान को बरकरार रखने वाला समझौता पहले कभी हुआ देखने सुनाने में नहीं आया। उल्लेखित इन विषयों को लेकर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सार्वजनिक खुलासा कर चुके हैं। साफ़ है इस समझौते के बाद व्यापार और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसरों का लम्बा दौर चलेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त 2025 से भारत पर 25 प्रतिशत ऊल-जलूल टैरिफ थोप दिया था। यही नहीं ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने की वजह से अतिरिक्त जुर्माना लगाने का भी एकतरफा निर्णय ले लिया था। यह टैरिफ भारतीय दुग्ध एवं कृषि उत्पाद हड़पने की दृष्टि से लगाया गया था। जिससे भारत दबाव में आकर इन उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दे। लेकिन भारत भलि-भांति जानता था कि अमेरिका के सस्ते अनाज और मांसाहारी दूध के लिए भारतीय बाजार खोल दिया जाता है तो किसान तो तबाह होगा ही शाकाहारी संस्कृति को भी पलीता लगेगा। साथ ही भारत सरकार जिन प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) को बढ़ावा देकर कृषि और दूध उत्पादों को वैश्विक बाजार में लाने की तैयारी कर रही है, वह विचार भी चकनाचूर हो जाता। इसलिए सरकार ने साफ कर दिया था कि इन क्षेत्रों में बाहरी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं है। वैसे भी अब यह सच्चाई सामने आ रही है कि एकतरफा वैश्वीकरण से दुनिया का भला होने वाला नहीं है। अतएव स्वदेशी उत्पादों के जरिए ही आत्मनिर्भर बने रहने की पहल जारी रखनी होगी। भारत इस दिशा में मजबूती से बढ़ भी रहा है। किंतु अब भारत को अमेरिका से हुए समझौते में बड़ी राहत मिली है। अमेरिकी प्रशासन ने न केवल टैरिफ दर को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है,बल्कि रूस से तेल आयात के चलते जुर्माने के रूप में वसूले गए 25 प्रतिशत टैरिफ को वापस करने का फैसला लिया है। वाइट हाउस से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार,27 अगस्त 2025 से लेकर 6 फ़रवरी 2026 के बीच जिन आयात वस्तुओं पर जुर्माना लगा है,वह वापस हो जाएगा। उम्मीद बानी है कि इस छूट से भारतीय व्यापारियों को करीब 40 हजार करोड़ की राहत मिलेगी।

पीयूष गोयल ने एक साक्षात्कार में साफ किया है कि डेयरी के सभी उत्पाद आनुवंशिक रूप से परिवर्धित उत्पाद भी समझौते से बाहर हैं। इनमें पोल्ट्री, मांस,सोयाबीन, मक्का,चावल,चीनी, गेहूं, ज्वार,बाजरा,रागी,कोदो,दाल मूंग,काबुली चना,ग्रीन टी मधु और अनेक प्रकार के फलों को बाहर रखा है।

डेयरी उत्पादों में गाय-भैंस का दूध अहम्में है। इसमें ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं। यह दूध ही है, जिससे दही, मट्ठा, मक्खन और घी जैसे सह-उत्पाद निकलते हैं। ये उत्पाद मिठाई की दुकानों से लेकर डेयरी उद्योग के जरिए करोड़ों लोगों के रोजगार का मजबूत माध्यम बने हुए हैं। लंबे समय तक गाय से पैदा बैल पर ही भारतीय कृषि निर्भर रही है। इसी कृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारतीय दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसी दूध पर अमेरिकी बाजार के कब्जे के लिए अमेरिका अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दूध बेचना चाहता रहा था।अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर टिकी हैं। इस बाबत अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते पर चली बातचीत नाकाम रही थी।क्योंकि इसमें अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल थे। भारत सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया था कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो कतई स्वीकार योग्य नहीं है। दरअसल अमेरिका चीज (पनीर) भारत में बेचने का लम्बे समय से इच्छुक था। इस चीज को बनाने की प्रक्रिया में बछड़े की आंत से बने एक पदार्थ का इस्तेमाल होता है। इसे अत्यंत घिनौना कृत्य करके चीज में मिलाया जाता है। शाकाहारी लोग इस प्रक्रिया को देख भी नहीं सकते हैं। इसलिए भारत के शाकाहारियों के लिए यह पनीर वर्जित है। गौ-सेवक व गऊ को मां मानने वाला भारतीय समाज इसे स्वीकार नहीं करता। अमेरिका में गायों को मांसयुक्त चारा खिलाया जाता है, जिससे वे ज्यादा दूध दें। हमारे यहां गाय-भैंसें भले ही कूड़े-कचरे में मुंह मारती फिरती हों, लेकिन दुधारू पशुओं को मांस खिलाने की बात कोई सपने में भी नहीं सोच सकता? लिहाजा अमेरिका को चीज बेचने की इजाजत इस डील में नहीं दी गई है। अकेले गुजरात में अमूल समेत 36 लाख दुग्ध उत्पादक हैं।

बिना किसी सरकारी मदद के बूते देश में दूध का 70 फीसदी कारोबार असंगठित ढांचा संभाल रहा है। इस कारोबार में ज्यादातर लोग अशिक्षित हैं। लेकिन पारंपरिक ज्ञान से न केवल वे बड़ी मात्रा में दुग्ध उत्पादन में सफल हैं, बल्कि इसके सह-उत्पाद दही, मठा, घी, मक्खन, पनीर, मावा आदि बनाने में भी मर्मज्ञ हैं। दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित ढांचा, मसलन डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध उत्पादन में 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य उत्पादों व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण सुविधाएं महज दो फीसदी हैं, किंतु वह दूध ही है, जिसका सबसे ज्यादा प्रसंस्करण करके दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर आदि बनाए जाते हैं। इस कारोबार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इससे आठ करोड़ से भी ज्यादा लोगों की आजीविका जुड़ी है। करीब 1.5 करोड़ परिवार ही सहकारी दुग्ध उत्पादकता से जुड़े हैं, जबकि 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार आज भी सहकारिता के दायरे से वंचित हैं। दूध उत्पादन में ग्रामीण महिलाओं की अहम् भूमिका रहती है। रोजाना दो लाख से भी अधिक गांवों से दूध एकत्रित करके डेयरियों में पहुंचाया जाता है। बड़े पैमाने पर ग्रामीण सीधे शहरी एवं कस्बाई ग्राहकों तक दूध बेचने का काम करते हैं।

इसी दूध के बाजार में अमेरिका हस्तक्षेप के लिए लंबे समय से लालायित है,लेकिन उसकी दाल इस बार भी नहीं गाल पाई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने दस हजार नई कृषि सहकारी समितियों को हरी झंडी दिखाई है। अगले पांच साल में इनकी संख्या दो लाख तक पहुंचाने की है।

इन्हीं सहकारी संस्थाओं के जरिए कृषि और दुग्ध उत्पादों को भारत से लेकर एशिया और यूरोप तक बाजार में पहुंचाने की है। ऐसे में यदि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाते तो इन समितियों की मुश्किलें तो बढ़ती ही, दुग्ध उत्पादक आठ करोड़ लोगों की आजीविका पर भी संकट के बादल गहरा जाते।

लोकतंत्र की आत्मकथा

दृष्टिकोण

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

आत्मकथा किसी को नहीं सुनायी जा सकती, वह खुद सुनी जा सकती है। वह रूह का अहसास है, कोई फ़साना नहीं है। फ़सानों में हक़ीकत कही नहीं जा सकती। वह जब भी किसी को सुनायी जायेगी तो भावकल्पित अनात्म कथा ही होगी। उससे किसी न्याय की उम्मीद करना भी व्यर्थ होगा। व्यक्ति का आत्म तो असंग और निर्लिप्त है। वह केवल साक्षी भाव से देह से लिपटे उस नश्वर अनात्म को देखता रहता है जिससे प्रतिपल राग-द्वेष, ईर्ष्या-घृणा, काम-क्रोध, सुख-दुख, भोग-त्याग और जय-पराजय के भाव उत्पन्न होते ही रहते हैं। ये सब अपने आत्म के आईने में दीखते हैं पर आईना इनसे प्रभावित नहीं होता। ये भाव सबकी प्रकृति के अनुरूप सबके मन में उठते ही रहते हैं। जब सब ही इनसे परिचित हैं तो इन्हें सबको लिखकर बताने की और इन पर लोकसभा में बहस करके किसी को नीचा दिखाने की क्या ज़रूरत है?

जो बात खुलेआम बोलकर बताने की है वह तो यही होगी कि इन नश्वर अनात्म भावों से परे उस आत्म की पहचान की जाये जो सर्वात्म होकर लोकतंत्र में बसा हुआ है। वह भेदभाव से परे सृष्टि का एक सामुदायिक आत्म भी है। वही मनुष्य के प्रजातंत्र का भी दर्पण है जिसमें सब अपने-अपने भावों-कुभावों से बनते-बिगड़ते अपने ही चेहरे को देखते हैं। कोई किसी से जीत नहीं रहा, सब अपने आपसे हारे हुए हैं।

किसी के चरित्र की पहचान केवल चेहरे और वेश धारण से नहीं होती क्योंकि देह का धर्म कर्मात्मक है। वह आचरण से ही पहचाना जाता है। अगर आचरण नश्वर अनात्म से ही प्रेरित हो तो वह उस सर्वात्म से दूर ही बना रहेगा जो बिना किसी अस्पृष्यता के सबका आईना है। इस आत्म भाव की सामुदायिक अभीप्सा किये बिना प्रजातंत्र में कर्मकुशल सहकारी भाव नहीं उठ सकता। संविधान इसी भावना को ऊँची उठाये रखने के लिए हमने सबके लिए आत्मार्पित किया। वह लोकतंत्र का आईना ही तो है।

सर्वात्म से बेख़बर होकर 'धर्म' के मार्ग को, उपकारी साधनों से बेख़बर होकर 'अर्थ' प्राप्ति को, संयम से बेख़बर होकर 'काम' से उत्पन्न कामनाओं को और सबके स्वराज्य से बेख़बर होकर लोकतंत्र में केवल अपने 'मोक्ष' को नहीं साधा जा सकता। लोकतंत्र की गङ्गा में अपने-अपने पाप धोने का कोई मतलब नहीं। लोकतंत्र तब ही उज्ज्वल दिखायी पड़ेगा जब सब अपनी आत्मा के दर्पण पर पड़ी अपने राग-द्वेष, ईर्ष्या-घृणा और जय-पराजय की धूल को अपने आंसुओं से धो सकें। अगर जलना भी पड़े तो अपने पश्चाताप की आग में जलकर निखर उठने के लिए व्याकुल हों। लोकतंत्र अनात्म से उपजी व्यथाओं और पीड़ाओं के शमन का एक सामुदायिक उपाय है। गुजरे ज़मानों में भी किसी न किसी रूप में रहता आया है। मनुष्य अपनी विफलताओं से सीखकर उसे नया रूप देते रहे हैं। जहाँ सब अपनी आत्मा के करघे पर अपने जीवन की चादर बुनने के लिए अपने हिस्से का सूत कात सकते हैं। लोकतंत्र में समता और न्याय का ताना-बाना आत्मिक बंधुता के करघे के बिना वह चादर बुन ही नहीं सकता जिसमें सब अपने-अपने पाँव पसार सकें।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

ये नए मिजाज का शहर है!

व्यंग्य

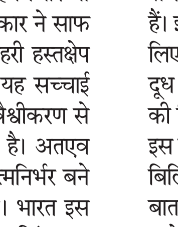

जवाहर चौधरी

(व्यंग्यकार)

विकास की महत्ता निर्विवाद है, परंतु किसी भी समाज की वास्तविक जीवंतता उसके सामाजिक ताने-बाने की मजबूती पर निर्भर करती है। यदि सामाजिक समूहों के भीतर ऊंच-नीच, हीन-कुलीन का भाव और एक-दूसरे के मान-मर्दन की लालसा बनी रहे, तो बाहरी शत्रुओं का भय दिखाकर उस समाज को कभी भी भीतर से एक नहीं किया जा सकता। दम्भपूर्ण 'गौरव यात्राएं' एकता का भ्रम तो पैदा कर सकती हैं, लेकिन आत्मिक जुड़ाव नहीं। आज हमारा देश एक अत्यंत संवेदनशील दौर से गुजर रहा है।

भारत का इतिहास गवाह है कि गुलाम वंश से लेकर मुगलों तक (1206-1857), लगभग साढ़े छह सौ वर्षों के शासनकाल में सत्ता की बिसात पर कई इमारतें बनीं और कई ढही भी। देसी राजाओं से युद्ध हुए, संधियाँ हुईं और रक्तपात भी हुआ। लेकिन 'भारत गाँवों में बसता है', यह उक्ति तब भी सत्य थी और आज भी। सत्ता के तमाम उलटफेर के बावजूद ग्रामीण समाज ने अपनी संस्कृति, भाषा-भूषा और लोक-परंपराओं को अक्षुण्ण रखा। नगरीय समाज में सांस्कृतिक आदान-प्रदान जरूर हुआ, लेकिन लोगों ने अपनी मौलिक पहचान को नहीं खोया। तमाम राजनैतिक अत्याचारों के बीच भी एक 'सांझी संस्कृति' विकसित हुई और इसी एकता के बल पर हमने अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की लड़ाई लड़ी। हालाँकि, राजनैतिक महत्वाकांक्षाओं के कारण विभाजन का दंश झेलना पड़ा, फिर भी तमाम अंतर्विरोधों और विसंगतियों के बावजूद हिंदू समाज आधुनिक वैश्विक जगत में मजबूती से खड़ा हुआ। आज भारतीय मेधा का लोहा पूरी दुनिया मानती है; चाहे वह अमेरिका का स्पेस सेक्टर हो, आईटी क्षेत्र हो या भारतीय सेना का शौर्य, यह सब हमारे राष्ट्रीय गर्व का विषय है।

पिछले एक दशक से समाज में एक विशेष वर्ग का भय कुछ इस तरह बोया गया है, जैसे चारों ओर बेबसी का माहौल हो। हकीकत यह है कि मैदानी सच्चाई उतनी भयावह नहीं है, जितनी सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाई जा रही है। 'सावधान रहिए, खुद जागिए, कानून को भूलिए'—जैसे नारे आम आदमी को भ्रमित कर रहे हैं। आमजन यह समझ ही नहीं पा रहे कि उन्हें जागकर आखिर करना क्या है? देश के लिए जागना है, धर्म के लिए या अपनी जाति के लिए? या फिर किसी राजनैतिक दल के छिपे हुए एजेंडे को पूरा करने के लिए? इस बीच संतों जैसे कुछ लोगों ने 'जनसंख्या वृद्धि' का जो आवाहन किया, वह हास्यास्पद और अव्यावहारिक था। इंसान को 'फैक्ट्री' समझने की इस सोच पर जनता की मौन प्रतिक्रिया ने यह सिद्ध कर दिया कि लोग आज भी समझदार हैं और वे अपने घरों को 'पोल्ट्री फार्म' में तब्दील नहीं करना चाहते।

हाल ही में 'बंटोगे तो कटोगे' जैसे नारों की गूँज भी सुनाई दी । लेकिन जैसे ही यूजीसी जैसे गंभीर प्रसंग सामने आए तो एकता का यह मुखौटा उतर गया। कल तक जो 'भाई-भाई' होने का दम भर रहे थे, आज वही जातियाँ और वर्ण बन कर एक-दूसरे के खिलाफ ताल ठोंक पुतला फूँक प्रदर्शन कर रहे हैं। जब भीतर 'मनभेद' की गहरी खाई हो, तो बाहरी एकता केवल एक छलावा है। यदि हिंदू समाज के भीतर की यह विसंगतियां इतनी ही सरल होतीं, तो डॉ. अंबेडकर को अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म की शरण में नहीं जाना पड़ता। हमारी इस अंदरूनी कलह का आनंद विदेशी और विधर्मी शक्तियां बखूबी ले रही होंगी। आज हम एक ऐसे दौर में हैं जहाँ अविश्वास ही एकमात्र स्थायी भाव बन गया है। राजनेताओं के झूठ ने जनता को इस कदर हताश कर दिया है जैसा पहले नहीं था। आज जब कोई मुँह खोलता है, तो लोग पहले ही मान लेते हैं कि कोई नया झूठ परोसा जाएगा। यही हाल बाजार का है-विज्ञापन आधी हकीकत और आधा फसाना हैं। नकली दवाएं, नकली घी और नकली देशभक्ति के बीच असली इंसान की सांसें फूल रही हैं। हालात ऐसे हैं कि लोग तंज में कहने लगे हैं कि 'शुद्ध खाओगे तो बीमार पड़ जाओगे, जिंदा रहना है तो मिलावट को अपनाओ।' जब पूरे कुएं में ही भांग पड़ी हो, तो दोष किसे दें? गालिब का शेर याद आता है - 'पहले आती थी हाल-ए-दिल पर हँसी, अब किसी बात पर नहीं आती।' शायर बशीर बद्र की गजल से साभार।

आज नई दिल्ली में विमोचन

नई पीढ़ी के लिये भारतीय पत्रकारिता का समग्र दस्तावेज

अरूण कुमार

सही मायनो में कुल 168 वर्ष की भारतीय पत्रकारिता की यात्रा का जीवंत दस्तावेज 'समग्र भारतीय पत्रकारिता'। परतंत्रता का समय घर फूंक तमाशा देखने का दौर था। ब्रिटिश सत्ता के दमन और अन्याय से उपजे अंधकार में रोशनी का कार्य किया भारतीय पत्रकारिता ने। वहीं दूसरी ओर सारे देश को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य भी किया। उस दौर में सभी बड़े राजनेता जानते थे कि सूचना व तथ्यों पर फिरंगियों की संगीनों का पहरा है। ऐसे में देश के जनमानस को गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिये पत्रकारिता ही कारगर हथियार साबित हो सकती है। यही वजह है कि उस दौर में गांधी जी, पं. नेहरू, तिलक व अंबेडकर आदि ने पत्रकारिता को नई धार देने के लिये पत्र पत्रिकाओं का संपादन व प्रकाशन किया। सही मायनो में उस दौर में भाषायी पत्रकारिता नागरिक चेतना, कुरीतियों के विरुद्ध जन-जागरण व सांस्कृतिक चेतना जगाने का काम कर रही थी।

निस्संदेह, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन भारतीय पत्रकारिता की अनुगूंज ही कही जा सकती है। भारतीय पत्रकारों ने ही नहीं, राजनेताओं, समाज सुधारकों व साहित्यकारों ने पत्रकार की भूमिका निभाकर स्वतंत्रता की भूख जगाई। सही मायनों में आजादी से पहले की डेढ़ सदी की भारतीय पत्रकारिता एक ऐसे संघर्ष का दस्तावेज है, जिसने ब्रिटिश सत्ता की चूलें हिलाकर आजादी का मार्ग प्रशस्त किया। कलम से फिरंगियों की बंदूक से लोहा लिया। पद्मश्री व भोपाल के सप्रे संग्रहालय के संस्थापक व संपादक विजय श्रीधर के श्रमसाध्य प्रयासों से 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' नामक पुस्तक तीन खंडों में आई है। पहले खंड में 1780 से 1880 तक, दूसरे खंड में 1881 से लेकर 1920 तक तथा तीसरे खंड में 1921 से लेकर 1948 तक की पत्रकारिता के स्वरूप, चुनौतियों व विस्तार का विस्तृत विवरण है।

सही मायनो में कुल 168 वर्ष की भारतीय पत्रकारिता की यात्रा का जीवंत दस्तावेज 'समग्र भारतीय पत्रकारिता'। परतंत्रता का समय घर फूंक तमाशा देखने का दौर था। ब्रिटिश सत्ता के दमन और अन्याय से उपजे अंधकार में रोशनी का कार्य किया भारतीय पत्रकारिता ने। वहीं दूसरी ओर सारे देश को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य भी किया। उस दौर में सभी बड़े राजनेता जानते थे कि सूचना व तथ्यों पर फिरंगियों की संगीनों का पहरा है। ऐसे में देश के जनमानस को गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिये पत्रकारिता ही कारगर हथियार साबित हो सकती है। यही वजह है कि उस दौर में गांधी जी, पं. नेहरू, तिलक व अंबेडकर आदि ने पत्रकारिता को नई धार देने के लिये पत्र पत्रिकाओं का संपादन व प्रकाशन किया। सही मायनो में उस दौर में भाषायी पत्रकारिता नागरिक चेतना, कुरीतियों के विरुद्ध जन-जागरण व सांस्कृतिक चेतना जगाने का काम कर रही थी। इस दौर की पत्रकारिता में आजादी की भूख जगाने के लिए राजनेताओं, समाज सुधारकों और स्वतंत्रता सेनानियों ने कलम को हथियार बनाया।

आज के सोशल मीडिया के दौर में पश्चिम चमक-दमक व भौतिकवाद की लहर में सम्मोहित नई पीढ़ी को देश की पत्रकारिता के समृद्ध इतिहास से रूबरू कराने के लिये 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' ग्रंथ का प्रकाशन पत्रकारिता के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है। भोपाल के सप्रे संग्रहालय में संग्रहीत ज्ञात और कम ज्ञात पत्रकारिता की दुर्लभ जानकारी को समेट कर लिखे गए इस तीन खंड वाले समग्र इतिहास से आने वाली पीढ़ियां निश्चित रूप से लाभावन्वित होंगी।

'समग्र भारतीय पत्रकारिता' पुस्तक का प्रथम खंड 1780 से 1880 सौ वर्ष की पत्रकारिता के इतिहास को समेटता है। यह संयोग ही है कि हिंदी के पहले साप्ताहिक व दैनिक समाचार पत्र का प्रकाशन गैर हिंदी भाषी बंगाल से हुआ। भाषायी रूप से समृद्ध, सांस्कृतिक रूप से सचेतन और नागरिक के रूप में जागरूक बंगाल इस दौरान पत्रकारिता के केंद्र में रहा। एक समाज सुधारक के रूप में राज्य के प्रबुद्ध हस्तियों ने पत्रकारिता को सामाजिक बदलाव का अस्त्र बनाया। राजा राममोहन राय के इस दिशा में किए गए प्रयासों को कभी नहीं भुलाया जा सकता है। इस दिशा में उर्दू समाचार पत्र जाम-ए-जहांनुमा और मुंबई समाचार पत्र के अविस्मरणीय योगदान को नहीं भुलाया जा सकता।

यह सुखद संयोग है कि पत्रकारिता का यह दस्तावेज 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' ऐसे समय में प्रकाशित हुआ है जब 1826 में प्रकाशित पहला हिंदी साप्ताहिक 'उदंत मार्तंड' के प्रकाशन का दो सौ साला उत्सव हिंदी पत्रकारिता मना रही। 'उदंत मार्तंड' को ही हिंदी पत्रकारिता के बीजारोपण का श्रेय दिया जाता है। पुस्तक हिंदी,उर्दू व अंग्रेजी के समचार पत्रों की यात्रा और उनसे जुड़े कम ज्ञात तथ्यों का भी अनावरण करती है। समाचार पत्रों के साथ ही देश में न्यूज एजेंसियों की शुरुआत व उनके सफलता के सोपानों का जिक्र है।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अंग्रेज सरकार की सख्त सेंसरशिप के बीच साहित्यकारों व पत्रकारों ने साहित्य की विभिन्न विधाओं के जरिये स्वतंत्रा की उत्कट अभिलाषा को मुखर बनाया। फिरंगी सत्ता के खिलाफ व्यंग्य के जरिये आग उगलते 'शिवशंभू के चिट्ठे' सत्ताधीशों को बेचैन करते थे। काव्य की विभिन्न विधाओं, व्यंग्य और लेखों के जरिये इस दौर के पत्रकारों ने राष्ट्रीय आंदोलन में ऊर्जा का संचार किया। इन रचनाओं में आंचलिक व लोकभाषाओं की तीक्ष्णता रचनाओं में मुखरित होती है।

समग्र भारतीय पत्रकारिता का दूसरा खंड उस दौर का दस्तावेज है जब देश के जनमानस ने मन बना लिया था कि देश की आजादी का कोई विकल्प नही हो सकता। साल 1881 से 1920 के कालखंड को समेटे यह पत्रकारिता का वह दौर था, जब देश के जनमानस ने बाल गंगाधर तिलक के स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, के उद्घोष से सुर मिलाना शुरू कर दिया था। उनका 'केसरी' स्वतंत्रता की चेतना का अग्रदूत बन गया था। हिंदी को देश को एकता के सूत्र में पिरोनी वाली जनसंपर्क की भाषा के रूप में मान्यता मिलने लगी थी।

समग्र भारतीय पत्रकारिता के तीसरे खंड 1921 से 1948 के उस कालखंड का जीवंत इतिहास है जब राष्ट्रीय चेतना सविनय अवज्ञा आंदोलन से भारत छोड़ो आंदोलन तक पहुंच गई थी। इस दौर की पत्रकारिता को महात्मा गांधी के अहिंसा के हथियारों से लड़ी गई लड़ाई ने गहरे तक प्रभावित किया। यही वजह है कि खुद पत्रकार की भूमिका भी निभाने वाले गांधी जी से गहरे तक प्रभावित कालखंड को गांधी युग की भी संज्ञा दी गई। इस दौर में हिंदी में 'कर्मवीर' की मुखरता से उदीप्त ग्रीय चेतना निरंतर समृद्ध हुई। लेखक विजय श्रीधर ने इस दौर के हिंदी व अंग्रेजी के समाचार पत्रों के जन्म और विस्तार से जुड़े कई रोचक अध्यायों से पाठकों को रूबरू कराया है। जिसमें पत्रकारिता के मूल्यों व पत्रकारों की निर्भीकता और जनता पर उसके गहरे प्रभाव को रेखांकित किया गया है।

निस्संदेह, विजय श्रीधर के ऋषिकर्म व वाणी प्रकाशन के सुंदर प्रकाशन से 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' के रूप में पत्रकारों की आने वाली पीढ़ियों के लिये अपने पुरखों की विरासत सहेजने का अवसर पैदा हुआ है। कहने के आवश्यकता नहीं है कि इसमें लेखक के तीन दशक के श्रमसाध्य प्रयासों और भारतीय पत्रकारिता को सप्रे संग्रहालय में सहेजने के प्रयासों से हासिल अनुभवों को समाहित किया गया है। समय-समय पर निकाले गए विशेषांकों तथा दुर्लभ चित्रों को समेटे यह भारतीय पत्रकारिता का समग्र व संपन्न इतिहास नई पीढ़ी के पत्रकारों के लिये पथ प्रदर्शक का कार्य करेगा। पुस्तक उस शून्य को भरने का प्रयास है, जिसमें भारतीय पत्रकारिता के इतिहास को एक जगह देखने की कमी के रूप में देखा जाता रहा है।

जयंती विशेष

अब्राहम लिंकन: राजनीतिक दर्शन और युद्धकालीन नेतृत्व

अरुण कुमार डनायक
लेखक समाजसेवी हैं।

युवा लिंकन ने क्लर्क, पोस्टमास्टर और सर्वेयर जैसे काम किए, जिससे उन्हें स्थानीय लोगों का विश्वास मिला। बाद में वे वकालत में आए और गरीबों वंचितों के लिए बिना शुल्क भी लड़ते। न्याय के विरुद्ध होने वाले किसी भी मामले और नैतिक रूप से गलत मुवक्किल के पक्ष में शामिल होना उन्हें पसंद नहीं था। उनके व्यक्तित्व में तर्क, विनोद और सहानुभूति का अद्भुत मेल था। इसी दौरान उनका प्रसिद्ध 'लिंकन-शैली तर्कवाद' विकसित हुआ—तथ्यों को सरल भाषा में प्रस्तुत करना और विरोधियों के भ्रम को संयमित शैली से तोड़ना। 1834 में लिंकन इलिनॉइस विधान सभा के सदस्य बने। उनकी ईमानदारी और सादगी ने लोकतंत्र की सफलता के लिए सत्यनिष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत किया। 1846 में वे कांग्रेस पहुँचे, पर एक कार्यकाल बाद वापस वकालत में लौट गए। 1854 में 'दासता के विस्तार की अनुमति देने वाला कानून पारित हुआ।

12 फ़रवरी 1809 को केंटकी में जन्मे अब्राहम लिंकन विश्व इतिहास की अद्वितीय शख्सियत हैं। उनका जीवन नैतिक नेतृत्व, संघर्ष और युद्धकालीन धैर्य का उदाहरण है। झोपड़ी से व्हाइट हाउस तक की उनकी यात्रा यह दर्शाती है कि लोकतंत्र में चरित्र और निष्ठा किस प्रकार एक साधारण व्यक्ति को असाधारण बना सकते हैं। लिंकन का बचपन गरीबी में बीता। नियमित शिक्षा नहीं मिली, लेकिन किशोरावस्था में खेती और उससे सम्बंधित छोटे-मोटे श्रमसाध्य कार्यों ने उन्हें संवेदनशील और विनम्र बनाया। वे रातों को मोमबत्ती की रोशनी में साहित्य, बाइबिल और कानून की पुस्तकें पढ़ते—यहीं से उनका नैतिक दर्शन और न्याय-बोध विकसित हुआ।

युवा लिंकन ने क्लर्क, पोस्टमास्टर और सर्वेयर जैसे काम किए, जिससे उन्हें स्थानीय लोगों का विश्वास मिला। बाद में वे वकालत में आए और गरीबों वंचितों के लिए बिना शुल्क भी लड़ते। न्याय के विरुद्ध होने वाले किसी भी मामले और नैतिक रूप से गलत मुवक्किल के पक्ष में शामिल होना उन्हें पसंद नहीं था। उनके व्यक्तित्व में तर्क, विनोद और सहानुभूति का अद्भुत मेल था। इसी दौरान उनका प्रसिद्ध 'लिंकन-शैली तर्कवाद' विकसित हुआ—तथ्यों को सरल भाषा में प्रस्तुत करना और विरोधियों के भ्रम को संयमित शैली से तोड़ना।

1834 में लिंकन इलिनॉइस विधान सभा के सदस्य बने। उनकी ईमानदारी और सादगी ने लोकतंत्र की सफलता के लिए सत्यनिष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत किया। 1846 में वे कांग्रेस पहुँचे, पर एक कार्यकाल बाद वापस वकालत में लौट गए। 1854 में 'दासता के विस्तार की अनुमति देने वाला कानून पारित हुआ। इसके विरोध में लिंकन पुनः राजनीति में लौटे। 'अमेरिका आधा दास और आधा स्वतंत्र नहीं रह सकता'-इस विचार ने उन्हें रिपब्लिकन पार्टी का प्रमुख चेहरा बना दिया।

1860 में लिंकन के राष्ट्रपति चुने जाने तक अमेरिका दासता के प्रश्न पर निर्णायक रूप से विभाजित हो चुका था। दक्षिण के 11 राज्यों ने अलग होकर कॉन्फेडरेट स्टेट्स ऑफ अमेरिका का गठन किया, जिसकी राजधानी रिचमंड (वर्जीनिया) बनी। इन राज्यों ने पहले ही संकेत दे दिया था कि लिंकन की जीत उनके लिए संघ से अलग होने का आधार बनेगी, क्योंकि उनकी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संरचना दास श्रम पर टिकी थी—जिसका सबसे स्पष्ट प्रतीक दक्षिण कैरोलिना का चार्ल्सटन था, जहाँ दासों की खुलेआम ख़रीद-फ़रोख्त की मंडियाँ लगती थीं और दासता को जीवन-पद्धति के रूप में स्वीकार किया जाता था। ऐसे माहौल में लिंकन ने संतुलित नीति अपनाई—वे दासता का विस्तार रोकना चाहते थे, पर विद्यमान व्यवस्था को एक झटके में समाप्त करने के पक्ष में नहीं थे। उनका विश्वास था कि लोकतंत्र की रक्षा कानून के शासन और नैतिक समानता—दोनों को साथ लेकर चलने से ही संभव है।

लिंकन के राष्ट्रपति पद सँभालते ही अमेरिका गृहयुद्ध की आग में झोंक दिया गया। दक्षिणी राज्यों के संघ से अलग होने और साउथ कैरोलिना के चार्ल्सटन हार्बर में स्थित फोर्ट समटर पर हमले के बाद यह स्पष्ट हो गया कि अब संकट केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और लोकतंत्र के अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है। लिंकन युद्ध नहीं चाहते थे, लेकिन संघ के विघटन को राष्ट्र की आत्मा पर प्रहार मानते हुए उन्होंने इसे संघ और संविधान की रक्षा के लिए जरूरी समझा। सैन्य अनुभव न होते हुए भी लिंकन ने सेना का पुनर्गठन किया, लगातार अध्ययन और रणनीति पर विचार किया, और पराजयों से विचलित नहीं हुए। उन्होंने जनरल ग्रांट और जनरल शेरमन जैसे निर्णायक और व्यावहारिक सेनानायकों को आगे बढ़ाया। समान दृष्टि उनकी कैबिनेट-नीति में भी दिखती है—जहाँ प्रतिद्वंद्वियों, कटु आलोचकों और विभिन्न विचारधाराओं के नेताओं को साथ लेकर चलना उन्होंने शक्ति माना। लिंकन ने यह सिद्ध किया कि 'देश की सेवा के लिए श्रेष्ठतम लोगों की आवश्यकता होती है, चाहे वे समर्थक हों या प्रतिद्वंद्वी।' विभिन्न मतों और व्यक्तित्वों के बीच संतुलन बनाना उनकी असाधारण राजनीतिक कुशलता का प्रमाण है।

अमेरिकी गृहयुद्ध के बीच उन्होंने दासता उन्मूलन की ओर निर्णायक व रणनीतिक रूप से समयबद्ध कदम बढ़ाए। 1863 में जारी एमांसिपेशन प्रोकेलमेशन ने विद्रोही राज्यों में रहने वाले सभी दासों को स्वतंत्र घोषित कर दिया, जो इतिहास में नैतिक और राजनीतिक दोनों दृष्टियों से एक महत्वपूर्ण कदम था। लिंकन इसे केवल कानून का पालन मानते नहीं थे, बल्कि इसे 'मानव समानता की अनिवार्य दिशा' के रूप में देखते थे, यानी हर इंसान को बराबरी और स्वतंत्रता मिलने का अपरिहार्य अधिकार।अब्राहम लिंकन का दांपत्य जीवन भी सहज नहीं था। मैरी टॉड लिंकन तेजस्वी और संवेदनशील स्वभाव की थीं। 1862 में उनके पुत्र विली की मृत्यु ने उन्हें गहरे अवसाद में डाल दिया। इस कठिन समय में लिंकन ने गहरा धैर्य और सहानुभूति दिखाते हुए, सार्वजनिक जीवन के भारी दबाव के बावजूद, मैरी को भावनात्मक सुरक्षा और सहारा दिया। यह उनके संयम, करुणा और मानवता का जीवंत उदाहरण है। 1865 में, गृहयुद्ध समाप्ति के समय, लिंकन ने कहा—'किसी के प्रति द्वेष नहीं; सबके लिए दया।' उनका मानना था कि राष्ट्र को न्याय और पुनर्निर्माण के मार्ग से जोड़ा जा सकता है, न कि हिंसा या प्रतिशोध से। अपने हत्या के तीन दिन पहले, उन्होंने दक्षिणी राज्यों की शीघ्र पुर्नस्थापना का आग्रह किया और अफ्रीकी-अमेरिकियों को मताधिकार देने का संकेत दिया। उनका उदार और प्रगतिशील दृष्टिकोण उस समय क्रांतिकारी था। 15 अप्रैल 1865 को वॉशिंगटन डी.सी. में जॉन विल्क्स बूथ ने उनकी हत्या कर दी। अमेरिका स्तब्ध रह गया, लेकिन उनके आदर्श—लोकतंत्र, समानता और मानवता—अमिट रहे। लिंकन की राजनीति वंश या पारिवारिक विरासत में नहीं बदली। उनकी हत्या के बाद न पत्नी और न ही पुत्रों ने सत्ता में प्रभाव रखा; केवल पुत्र रॉबर्ट ने सार्वजनिक जीवन में भूमिका निभाई, लेकिन इसे विरासत नहीं, कर्तव्य समझा। यह दर्शाता है कि लिंकन की राजनीति व्यक्तिगत लाभ या वंश विस्तार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की सेवा थी। आज भी लिंकन सहनशीलता, मानवता, नैतिक साहस और निर्णायक नेतृत्व के प्रतीक के रूप में याद किए जाते हैं। उनका जीवन केवल राजनेता की जीवनी नहीं—बल्कि कठिन परिस्थितियों में संयम बनाए रखने, न्याय और समानता के लिए संघर्ष करने और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता से नेतृत्व करने का पाठ है। आज के राजनेताओं के लिए लिंकन एक अद्वितीय उदाहरण हैं। उनकी ईमानदारी, नैतिक निर्णय, विरोधियों के साथ तालमेल और जनता के प्रति निष्ठा यह सिखाती है कि सत्ता का असली प्रयोग केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र और जनता के लिए होना चाहिए।

विचार

मतभिन्नता अब बहुत स्वाभाविक हो गई है

राजेंद्र बज
लेखक स्तंभकार हैं।

ऐसी स्थिति निर्मित हो जाने के कारणों की पड़ताल करने पर अंततः यही सिद्ध होता है कि नागरिकों की शैक्षणिक एवं तकनीकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। इसके चलते सदियों पुरानी अवधारणाएं या तो सिरे से ही नकारी जा रही है या फिर उसका पालन किया भी जा रहा है तो तर्क की कसौटी पर पूरी तरह कसकर। यूं भी आज जितने अति विकसित साधन-संसाधन है, कहीं न कहीं उसके उदय में भी धर्म ग्रंथो की ही कोई प्रेरणा रही होगी। खैर, जहां तक दैनिक जनजीवन की बात है, अब आम नागरिकों को कपोलकल्पित बातों की अपेक्षा तार्किक बातों पर ही भरोसा होने लगा है। एक प्रकार से नागरिकों को अपने अच्छे बुरे का इल्म बहुत बेहतर तरीके से होने लगा है। यह एक सुखद स्थिति है और सुनहरे कल की ओर संकेत करती है।

वर्तमान दौर में शैक्षणिक एवं तकनीकी विकास के चलते आमनागरिकों की औसत बुद्धि का स्तर दिनों-दिन तर्कसंगत होता जा रहा है। अब वह दौर नहीं रहा कि एक ने कहीं और दूसरे ने मान ली। हालांकि बीते समय में विभिन्न क्षेत्रों की उच्चस्तरीय शख्सियत के बोल वचन भी 'सत्य वचन महाराज' की मुद्रा में अकाट्य माने जाते रहे थे। लेकिन अब किसी भी तथ्य को आसानी से स्थापित नहीं किया जा सकता। आम नागरिकों के जेहन में हर किसी बात पर तमाम तरह के 'किंतु परंतु' स्वाभाविक रूप से उत्पन्न हो ही जाते हैं। न केवल राजनीति अपितु सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में भी ऐसी स्थिति पायी जाती है कि किसी भी स्थापित शख्सियत की अवधारणा को सर्वमान्य नहीं माना जाता। सबकी सोचने और समझने की अपनी-अपनी क्षमता है और सबके पासअपने-अपने आधार हैं।

ऐसी स्थिति निर्मित हो जाने के कारणों की पड़ताल करने पर अंततः यही सिद्ध होता है कि नागरिकों की शैक्षणिक एवं तकनीकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। इसके चलते सदियों पुरानी अवधारणाएं या तो सिरे से ही नकारी जा रही है या फिर उसका पालन किया भी जा रहा है तो तर्क की कसौटी पर पूरी तरह कसकर। यूं भी आज जितने अति विकसित साधन-संसाधन है, कहीं न कहीं उसके उदय में भी धर्म ग्रंथों की ही कोई प्रेरणा रही होगी। खैर, जहां तक दैनिक जनजीवन की बात है, अब आम नागरिकों को कपोल कल्पित बातों की अपेक्षा तार्किक बातों पर ही भरोसा होने लगा है। एक प्रकार से नागरिकों को अपने अच्छे बुरे का इल्म बहुत बेहतर तरीके से होने लगा है। यह एक सुखद स्थिति है और सुनहरे कल की ओर संकेत करती है।

यह एक स्थापित तथ्य है कि राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक संदर्भों में किसी भी अभिमत पर हर एक की अपनी एक विशिष्ट अवधारणा होती है। यह आवश्यक नहीं होता कि इन संदर्भों में हमारे दष्टिकोण से अन्य पक्ष भी शत-प्रतिशत रूप से सहमत हो। प्रत्येक व्यक्ति के अपने-अपने पूर्वाग्रह हो सकते हैं, कभी-कभी पूर्वाग्रह की प्रबलता, दुराग्रह में तब्दील भी हो जाती है -ऐसे में किसी भी विषय को लेकर तटस्थ दृष्टिकोण का प्रतिपादन नहीं हो पाता। इन कारणों के चलते कालांतर में नागरिकों के बीच परस्पर वैचारिक टकराव की स्थिति भी निर्मित हो जाया करती है। किसी भी स्थिति में असहमतियों को कुचलना, आखिरकार नकारात्मक परिणाम का कारक होता है। ऐसी स्थिति में परस्पर संवाद से समाधान की ओर बढ़ना चाहिए।

कभी-कभी व्यक्ति विशेष के विचारों से अभिप्रेरित होकर हम अपने विचार निश्चित करते हैं। लेकिन जैसे-जैसे शिक्षा का प्रसार हो रहा है, नागरिकों की तर्कशक्ति में आशातीत परिपक्वता भी परिलक्षित होती है। ऐसी स्थिति को सुखद कहा जा सकता है। क्योंकि किसी भी विषय पर गहन वैचारिक मंथन उपरांत प्राप्त किए गए निष्कर्ष समाज की दशा और दिशा को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। लेकिन जब ऐसे निष्कर्ष किसी अन्य पर थोपने के किसी भी स्तर पर प्रयास किए जाते हैं, तब वैचारिक टकराव परस्पर कटुता का कारण बन जाता है। दरअसल इस स्थिति से बचने के प्रयास होना चाहिए। इस संदर्भ में सिक्के का दूसरा पहलू यह भी है कि वैचारिक टकराव भी सकारात्मक परिवर्तन के कारक सिद्ध हुआ करते हैं।

इसमें संदेह नहीं कि नागरिकों की तर्कशक्ति में आमूलचूल परिवर्तन के परिणामस्वरूप लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अलग अलग विचारधारा को देश-प्रदेश का नेतृत्व करने का अवसर मिला है। इसे हम नागरिकों की राजनीतिक चेतना के रूप में भी परिभाषित कर सकते हैं। आमतौर पर देश प्रदेश के नेतृत्व की विचारधारा के आधार पर आम नागरिक अपना अभिमत सुनिश्चित करते हैं। लेकिन नागरिकों का ऐसा वर्ग भी है जो गहन वैचारिक मंथन उपरांत मताधिकार के माध्यम से देश-प्रदेश की दशा और दिशा को सुनिश्चित करता है। स्पष्ट रूप से एसी जागृति लोकतंत्र की बुनियाद को और भी अधिक सशक्त आधार देने में प्रबल रूप से सहायक सिद्ध हो रही है। इन सब के मूल में मतभिन्नता के चलते ही अंततः परिवर्तन को स्वीकार किया गया है। सामाजिक दृष्टि से अनावश्यक रूप से परिपारित की जा रही परंपराओं पर काफी हद तक अंकुश लगा है। दरअसल विचारधारा के टकराव से भी नए निष्कर्षों को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त होती है। यही कारण है कि हमने प्रत्येक रीति रिवाज और परंपराओं को तार्किक दृष्टि स आकलित करने की दृष्टि प्राप्त की है। भौतिक संसाधनों की बहुलता के बावजूद आम नागरिकों का विचार-दर्शन आस्था एवं विश्वास पर ही टिका हुआ है। यह जरूर है कि प्रगति की दौड़ में हर कोई सहभागी है, यही नहीं अपितु भौतिकवाद की प्रबलता नैतिकता को भी तार-तार कर रही है। बावजूद इसके हमारी विश्व वंदनीय भारतीय संस्कृति से आच्छादित हमारी तार्किक परंपराओं का परिपालन भी बखूबी किया जा रहा है।

परिवर्तन के दौर में दुनिया में चाहे जितने परिवर्तन आए, लेकिन हम अपनी मूलभूत सभ्यता और संस्कृति से निरंतर जुड़े रहे हैं। आज भी धर्म-अध्यात्म की दुनिया में दुनिया भर की चहल-पहल स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। आज भी व्रत, नियम और संयम का परिपालन किसी न किसी रूप में परिजन कर रहे हैं। माता-पिता के संस्कार बच्चों में परिलक्षित हो रहे हैं। माना कि नकारात्मकता भी है, लेकिन आज भी मर्यादित जीवन शैली को बड़ी शिद्दत के साथ आत्मसात किया जा रहा है। दरअसल राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में जितने भी परिवर्तन हुए हैं उनके मूल में कहीं न कहीं वैचारिक असहमतियां किसी न किसी रूप में अवश्य रही है। कुल मिलाकर मुद्दे की बात यह कि वैचारिक मत भिन्नता का सदैव स्वागत किया जाना चाहिए।

मूंग की जगह मूंगफली उत्पादन को बढ़ावा देने किसानों को किया जा रहा प्रेरित

पांच ब्लॉकों में 471 किसान लगाएंगे 300 हेक्टेयर में मूंगफली

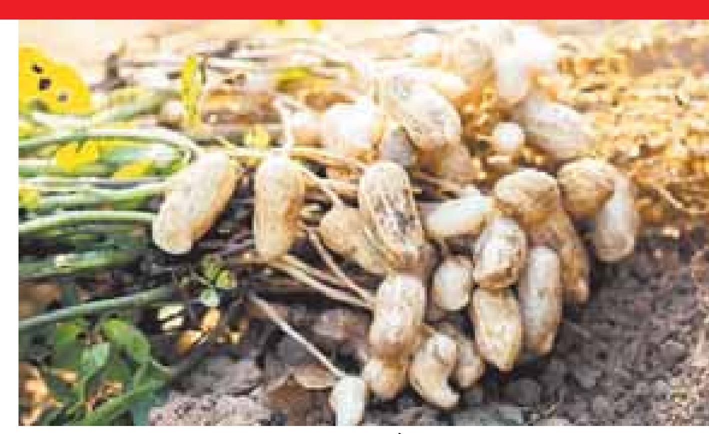

बैतूल। गर्मी के मौसम में किसानों को तीसरी फसल के लिए कृषि विभाग ने इस बार मूंग की जगह मूंगफली उत्पादन को बढ़ावा देने की तैयारी की है। नेशनल मिशन ऑन ऑयल सीड्स के तहत जिले के पांच विकासखंडों में 300 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन मूंगफली उत्पादन का लक्ष्य तय किया है। दरअसल विभाग का तर्क है कि मूंग की खेती में रासायनिक दवाओं के अत्यधिक उपयोग से फसल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही थी और मूंग जहरीली होती जा रही थी, इसलिए किसानों को मूंग से डायवर्ट कर मूंगफली की ओर लाया जा रहा है। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण देने के साथ ही निःशुल्क बीज भी मुहैया कराए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार वर्तमान में पूरे जिले में मूंगफली की खेती 237 हेक्टेयर में होती है। इस प्रोग्राम के तहत केवल 5 ब्लॉकों में 300 हेक्टेयर में मूंगफली की खेती करवाई जायेगी। इस योजना के तहत एक हेक्टेयर के लिए किसानों को प्रमाणित मूंगफल बीज निःशुल्क देने की बात कही जा रही है, लेकिन इसमें भी पूरी राहत नहीं है। बीज की पूरी कीमत सरकार वहन नहीं करेगी, बल्कि डिफरेंस की राशि किसानों को स्वयं चुकाना होगी।

पांच ब्लॉकों के 471 किसान चिन्हित - मूंगफली की खेती के लिए कृषि विभाग ने जिले के पांच ब्लाकों के करीब 471 किसानों को चिन्हित किया है। इसमें शाहपुर में 108 किसान 30 हेक्टेयर में मूंगफली की खेती करेंगे। इसी प्रकार घोड़ाडोंगरी ब्लाक में 89 किसान 40 हेक्टेयर, आठनेर ब्लाक में 100 किसान 100 हेक्टेयर, प्रभातपट्टन में 103 किसान 80 हेक्टेयर और भैंसदेही ब्लाक में 71 किसान 50 हेक्टेयर में मूंगफली की खेती करेंगे। इन किसानों को एक हेक्टेयर के लिए प्रमाणित मूंगफल बीज निःशुल्क देने की बात कही जा रही है, लेकिन बीज की पूरी कीमत सरकार वहन नहीं करेगी, बल्कि डिफरेंस की राशि किसानों को स्वयं चुकानी होगी। यानी राहत के नाम पर किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है।

किसानों को दी जायेगी यह सुविधा - मूंगफली की खेती करने के लिए प्रेरित करने हर ब्लाक में एक एफपीओ को वैल्यू चैन पार्टनर बनाया गया है। किसानों को फ्री प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही एक किसान को एक हेक्टेयर के लिए 20 किलोग्राम बीज फ्री दिया जा रहा है। इसके अलावा और बीज लगने पर किसान को केवल 20.17 रूपये प्रति किलो लगेंगे। ऐसे में जानकारों का कहना है कि मौजूदा समय में जब लागत, खाद और कीटनाशकों के दाम पहले से बढ़े हुए हैं, तब यह शर्त किसानों की भागीदारी को सीमित कर सकती है। इसके अलावा गर्मी में सिंचाई, बिजली आपूर्ति और लागत पहले से ही किसानों के लिए चुनौती बनी रहती हैं। ऐसे में तीसरी फसल का जोखिम उठाने के लिए किसान कितने तैयार होंगे, यह स्पष्ट नहीं है।

मूंगफली की खेती के लिए चिन्हित ब्लाक और रकबा

ब्लाक	किसान	रकबा (हेक्टेयर में)
शाहपुर	108	30
घोड़ाडोंगरी	89	40
आठनेर	100	100
प्रभातपट्टन	103	80
भैंसदेही	71	50
योग	471	300

इसलिए किया जा रहा मूंगफली के प्रति प्रेरित

ग्रीष्मकालीन मूंग के स्थान पर मूंगफली की खेती के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। जिसके पीछे विभाग का तर्क है कि मूंग की खेती में रासायनिक दवाओं के अत्यधिक उपयोग से फसल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही थी और मूंग जहरीली होती जा रही थी। बताया जा रहा है कि पिछले साल प्रदेश के कुछ जिलों में गर्मियों में ली जाने वाली मूंग की फसल जहरीली बताई गई थी। इसी के चलते राज्य शासन ने इसकी समर्थन मूल्य पर खरीदी करने से ही इंकार कर दिया था। इसके बाद किसी तरह सरकार मानी और खरीदी हुई। ऐसे में विभाग यह कोशिश कर रहा है कि जिले में भी किसान मूंग की खेती करने के बजाय मूंगफली की खेती करें। इसके लिए नेशनल मिशन ऑन ऑयल सीड प्रोग्राम के तहत प्रयास किए जा रहे हैं।

इनका कहना है -

मूंग की जगह किसानों को मूंगफली लगाने प्रेरित किया गया है। हमने पांच ब्लॉकों में 471 किसानों का चयन किया है। जिनके द्वारा 300 हेक्टेयर क्षेत्र में मूंगफली का उत्पादन किया जाएगा।

- आनंद बड़ोनिया, उप संचालक, कृषि विभाग बैतूल

सोहागपुर विधायक कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि 'समर्पण दिवस' के रूप में मनाई गई

सुबह सवेरे सोहागपुर। सोहागपुर विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह के कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 58वीं पुण्यतिथि 'समर्पण दिवस' के रूप में मनाई गई। भाजपा ने क्षेत्र के 55 बूथों पर भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाने का दावा किया है। इस अवसर पर विधायक निवास में जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं 'एकात्म मानववाद' के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में की वक्ताओं ने संबोधित करते कहा कि वर्ष 1968 में 11 फरवरी को उनका निधन हुआ था। उनके विचारों और सिद्धांतों को स्मरण करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इसके साथ जीवन दर्शन, 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने आगे कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और परंपरा पर आधारित राजनीतिक चिंतन प्रस्तुत किया। 'एकात्म मानववाद' के माध्यम से उन्होंने व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को एकात्म रूप में देखने की दृष्टि दी। वहीं 'अंत्योदय' का सिद्धांत समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की प्रेरणा देता है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। शासन में उनकी नीतियां मार्गदर्शक के रूप में दिखाई देती हैं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, भाजपा के पदाधिकारी, एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। अंत में सभी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों को आत्मसात करने एवं राष्ट्र सेवा संगठन सुदृढ़ीकरण के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रगान का भी आयोजन किया गया।

धूमधाम से मनाई जाएगी शिवाजी जयंती

● **तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न**

बैतूल। वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती की तैयारियों को लेकर शहर के समाजसेवियों की बैठक संपन्न हुई। इस संबंध में वरिष्ठ समाजसेवी बीआर खंडारे ने बताया कि 19 फरवरी, गुरुवार को शिवाजी चौक पर शाम 6 बजे शिवाजी महाराज की प्रतिमा के समक्ष हजारों दीपों की रोशनी कर एवं पुष्प वर्षा कर शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। बैठक में शहर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे। श्रीमती सरिता दीपक राठौड़ ने बैठक का संचालन किया और सभी से उपस्थित होने का आग्रह किया है।

जिला स्तरीय मेगा कैंपस ड्राइव आज

बैतूल। शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में 12 फरवरी को प्रातः 11बजे से जिला स्तरीय मेगा कैंपस ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। इस कैंपस ड्राइव में क्रिस कॉर्प के माध्यम से आईफोन निर्माता कंपनी फॉक्सकॉन बेंगलुरु के लिए केवल युवतियों को रोजगार का अवसर प्राप्त होगा। संस्था प्राचार्य अजीत पन्द्रे ने बताया कि विगत वर्षों में इस कंपनी में कई छात्राएं जॉब प्राप्त कर चुकी है एवं सफलतापूर्वक कार्यरत है। संस्था के प्लेसमेंट ऑफिसर विवेक दायमा ने बताया कि इस ड्राइव के लिए योग्यता केवल 10वीं उत्तीर्ण है एवं इसमें 18 से 30 वर्ष की सभी युवतियां भाग ले सकती है। चयन पश्चात युवतियों को 17 हजार 750 रूपए वेतन के साथ कंपनी स्वयं के व्यय से रहने के लिए हास्टल एवं भोजन की व्यवस्था करेगी। चयनित युवतियों को इसी माह कंपनी के खर्च पर ज्वाइन करने के लिए बेंगलुरु भेजा जाएगा। इस ड्राइव से संबंधित जानकारी के लिए मोबाईल पर संपर्क किया जा सकता है।

उड़दन वृद्धाश्रम में होलिस्टिक वेलबीइंग कैम्प आज

बैतूल। संचालनालय आयुष मप्र भोपाल के निर्देश पर आयुष विभाग बैतूल द्वारा जिले में बुजुर्गों के लिए होलिस्टिक वेलबीइंग कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि 12 फरवरी को उड़दन वृद्धाश्रम में होलिस्टिक वेलबीइंग कैम्प का आयोजन किया जाएगा। शिविर के माध्यम से वृद्धजनों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। डॉ. चौकीकर ने बताया कि बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं, ऐसे में आयुष पद्धति और योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य लाभ दिया जाएगा।

आरडी किड्स में वार्षिक खेल दिवस आयोजित

● **700 छात्र-छात्राएं हुए शामिल**

● **उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का किया प्रदर्शन**

बैतूल। उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल में डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खंडेलवाल के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग देने के साथ ही उनके सर्वांगीण विकास और उत्तम स्वास्थ्य के लिए खेल, सांस्कृतिक, कला सहित अन्य सह शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता करवाई जा रही है। इसी कड़ी में आर.डी. किड्स में 8 फरवरी को वार्षिक खेल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 700 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आरडी किड्स में वार्षिक खेल दिवस का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी ने मशाल प्रज्वलित कर किया। इसके बाद मार्च-पास्ट निकाला गया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा डांस परफॉर्मेंस ने सभी का मन मोह लिया।आर डी किड्स के बच्चों ने सेल्फ डिफेंस की कला दिखाते हुए कराटे स्किल्स का प्रदर्शन किया गया ,जिसमें केजी वन की नन्ही छात्रा का प्रदर्शन सराहनीय रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में आरडी इंस्टीट्यूशन डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खंडेलवाल के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं मैनेजमेंट स्टाफ की मेहनत और टीमवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्य अतिथि ए.एस.पी. कमला जोशी जी ने अपने उद्बोधन में खेल दिवस के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि खेलों में सहभागिता से बच्चों में शारीरिक दक्षता के साथ ही खेल भावना और अनुशासन का भी विकास होता है। उन्होंने बच्चों में सेफ्टी और सिक्योरिटी एवं सेल्फ डिफेंस के लिए जागरूकता बढ़ाने पर ज़ोर दिया। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि विशिष्ट अतिथि के रूप में उप संचालक खनिज मनीष पालेवार एवं अमित कुमार यादव ने शिरकत की। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शुद्ध जल एवं जल जनित रोगों की रोकथाम के लिए विशेष पखवाड़ा अभियान शुरू

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों की कराई जा रही साफ-सफाई

बैतूल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने और जल जनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से विशेष पखवाड़ा अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान कार्यपालन यंत्री मनोज बघेल के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। अभियान के तहत जिले के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों की सघन साफ-सफाई कराई जा रही है। हैंडपंपों के चबूतरों की सफाई एवं मरम्मत, ट्यूबवेल और कुओं के आसपास स्वच्छता, पानी की टंकियों की धुलाई, ग्राम की नालियों की सफाई तथा स्कूल एवं आंगनवाड़ी परिसरों में नल कनेक्शन के आसपास स्वच्छता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही सभी पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन कर उन्हें जीवाणुमुक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आवश्यकतानुसार नल-जल योजनाओं के अवयव जैसे पाइपलाइन, वाल्व, लीकेज एवं विद्युत संबंधी सुधार कार्य पंचायत के समन्वय से किए जा रहे हैं। पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु ग्राम स्तर पर फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल परीक्षण कराया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं अन्य ग्रामीण महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट से पानी की जांच करना का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त ग्रामों से जल नमूने एकत्र कर जिला स्तरीय प्रयोगशाला में रासायनिक एवं जैविक परीक्षण कराया जा रहा है। जल में प्रदूषण पाए जाने की स्थिति में द्रव क्लोरीन से उपचार किया जा रहा है। विभाग द्वारा ग्रामीणों को जागरूक करते हुए यह संदेश दिया जा रहा है कि जल स्रोत से लेकर घरेलू नल कनेक्शन तक की स्वच्छता और सुरक्षा बनाए रखना समुदाय की भी जिम्मेदारी है। अभियान के सफल संचालन हेतु सभी उपखंडों के सहायक यंत्री, उपयंत्री, जिला एवं विकासखंड समन्वयक, हैंडपंप तकनीशियन तथा आईएसए संस्था के कर्मचारी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

उप स्वास्थ्य केन्द्र रंभा में कुष्ठ विकृति एवं बचाव शिविर का आयोजन

बैतूल। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 11 फरवरी को भीमपुर विकासखंड के उप स्वास्थ्य केन्द्र रंभा की ग्राम पंचायत भवन में कुष्ठ विकृति एवं बचाव शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाडे ने बताया कि शिविर में 9 मरीजों का जल तेल उपचार कर हाथ पैरों की देखभाल एवं जल तेल उपचार करना सिखाया गया। शिविर में 3 मरीजों को एमसीआर चप्पल एवं कुष्ठ की दवाई दी गई। उपस्थित मरीजों को शपथ दिलाई गयी। शिविर में एनएमएम राजेश महतो, लिखीराम सागरे, केएस डंडोतिया एवं सीएचओ द्वारा अपनी सेवाएं दी गई।

सर्वस्पर्शी एवं समावेशी बजट: नरेंद्र शिवाजी पटेल

प्रभारी मंत्री ने बताई केंद्रीय बजट की उपलब्धियां

बैतूल। केंद्रीय बजट 2026 को लेकर जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए बैतूल जिले के प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण जी द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी एवं सर्व समावेशी बजट है जिसमे किसान,गरीब, महिला एवं युवा वर्ग पर विशेष फोकस किया गया है। बजट में युवाओं के लिए 15 हजार स्कूलों एवं 500 कालेजों में कंटेंट क्रियेटर लैब खोले जाएंगे जिसमे जिसमे एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट,गेमिंग एवं कॉमिक्स सेक्टर के लिए 20 लाख युवाओं को तैयार किया जाएगा। महिलाओं के लिए देश के हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल बनाया जाएगा। जिसमें दूर दराज के छात्राओं को रिस्क , कौशल विकास एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भागीदारी करने का अवसर मिलेगा। बिजनेस उमन को प्रमोट करने के लिए शी मार्ट की स्थापना की जाएगी। पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए श्री पटेल ने कहा कि हमारी सरकार की पहचान रही है रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत अब केवल सुधारों की चर्चा नहीं करता, बल्कि रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार होकर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इस रिफॉर्म एक्सप्रेस का सबसे मजबूत इंजन नारी शक्ति हैं। बजट में महिला सशक्तिकरण के लिए जो रोडमैप प्रस्तुत किया गया है, वह सामाजिक न्याय से आगे बढ़कर आर्थिक भागीदारी, तकनीकी नेतृत्व और वैश्विक प्रतिस्पर्धा तक महिलाओं की भूमिका का विस्तार देता है। श्री पटेल ने कहा कि युवाओं के लिए अवसर सृजन हमारी सरकार की प्राथमिकता है, और इसमें युवा महिलाओं की भूमिका केंद्रीय है। स्किल इंडिया, डिजिटल स्किल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी में युवाओं को प्रशिक्षित कर भारत भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार कर रहा है।हमारा मानना है कि इसे केवल बजट कहना न्यायसंगत नहीं होगा, यह बजट नहीं बल्कि विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने वाला विजन पत्र है। श्री पटेल ने कहा कि कैंसर की 17 जीवन रक्षक दवाओं पर सीमा शुल्क शून्य या बहुत कम कर दिया गया है। मिडल क्लास परिवारों को गुणवत्तापूर्ण इलाज देने के लिए जिला स्तर पर आयुष केंद्रों के लिए 10,000 करोड़ का फंड आवंटित किया गया है। शिक्षा से रोजगार एवं उद्यम स्थायी समिति का गठन और 15,000 माध्यमिक विद्यालयों व 500 महाविद्यालयों में कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना रचनात्मकता को बढ़ावा देगी। श्री पटेल ने पत्रकारो को जवाब देते हुए कहा कि एमएसएमई ग्रोथ फंड के लिए 10,000 करोड़ रुपये का आवंटन युवा उद्यमियों को संबल प्रदान करेगा। प्रत्येक जिले में एक महिला छात्रावास की स्थापना का प्रस्ताव है, इसके लिए लगभग 10,000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इससे छात्राओं को सुरक्षित आवास मिल सकेगा। महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु 1.5 लाख देखभाल सेवा प्रदाताओं जिसमें लखपति दीदी योजना पर आधारित सामुदायिक स्व-सहायता समूह उद्यम स्थापित करने का प्रावधान है। इससे महिलाओं को क्रेडिट लिंक्ड आजीविका से उद्यम स्वामित्व की ओर जाने में मदद मिलेगी। श्री पटेल ने बताया कि वर्ष 2030 तक भारतीय काजू और कोको को प्रीमियम वैश्विक ब्रांड बनाने का लक्ष्य है। इसके अतिरिक्त, सहकारी संस्थाओं को पशुचारे और बिनौले की आपूर्ति पर कर कटौती का लाभ देकर कृषि क्षेत्र को मजबूती दी गई है। पत्रकार वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, बजट प्रचार अभियान के जिला संयोजक कमलेश सिंह , जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, जिला मीडिया प्रभारी सूर्यदीप त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित थे।

जनप्रतिनिधियों-अधिकारियों की संयुक्त बैठक

सिंचाई, पेयजल और सड़क निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा, गुणवत्ता व समय सीमा पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश

बैतूल। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनप्रतिनिधियों एवं जिला अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें जल संसाधन, एमपीईबी, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, नगरीय प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में विधायक एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, विधायक महेंद्र सिंह चौहान, विधायक चंद्रशेखर देशमुख, विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, विधायक श्रीमती गंगाबाई उइके, कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विधायक हेमंत खंडेलवाल ने जल संसाधन विभाग अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए ठेकना परियोजना की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही प्रस्तावित रामघाटी एवं शीतलझिरी परियोजनाओं की स्वीकृति प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। पारसडोह परियोजना में आ रही समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जिले को शत-प्रतिशत सिंचित बनाने के लक्ष्य के तहत सभी प्रगतिरत सिंचाई परियोजनाओं को समयसीमा में पूर्ण किया जाए तथा प्रस्तावित कार्यों को शीघ्र प्रारंभ किया जाए। जल निगम और जल संसाधन विभाग समन्वित प्रयास सुनिश्चित करें। विधायक चंद्रशेखर देशमुख (मुलताई) ने सात माइनर टैंक की प्रगति की जानकारी लेकर कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

ग्रीष्मकालीन पेयजल संकट की पूर्व तैयारी

आगामी ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए संभावित पेयजल संकट वाले ग्रामों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के समन्वय से प्रभावित ग्रामों में हैंडपंप स्थापना, खराब हैंडपंपों की मरम्मत तथा अन्य आवश्यक कार्य प्राथमिकता से करने को कहा गया। जल निगम की परियोजनाएं पूर्ण होने तक संबंधित ग्रामों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था प्रबंधन करने के निर्देश दिए गए। विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे (आमला) ने आमला क्षेत्र में खराब नल-जल योजनाओं की जांच के लिए टीम भेजने और लापरवाही पाए जाने पर ठेकेदार से वसूली की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही पूर्ण नल-जल योजनाओं के सर्टिफिकेशन एवं हैंडओवर की कार्यवाही स्थानीय जनप्रतिनिधियों के समन्वय से करने को कहा गया।

सड़कों की गुणवत्ता और मेंटेनेंस पर सख्ती

बैठक में लोक निर्माण विभाग एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत प्रगतिरत सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि पीएमजीएसवाय की सड़कों में मेंटेनेंस अवधि के दौरान सुधार कार्य नहीं होने से सियारढाना, गढ़वाह, पीपला आदि सड़कों की स्थिति खराब हो रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि तीन वर्ष पूर्ण करने वाली सड़कों की जनपद सीईओ एवं एसडीएम के माध्यम से रैंडम जांच कराई जाए और संबंधित ठेकेदारों से मरम्मत कार्य कराया जाए। लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में भोगीटेडा पुल, मुलताई क्षेत्र में पट्टन से नागपुर हाईवे मार्ग, आमला अंतर्गत बोरी-लादी मार्ग, भैंसदेही मार्ग, घोड़ाडोंगरी क्षेत्र में चंडी-सालीमेढ़ मार्ग तथा आमला-बरसाली मार्ग पर भी विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। ब्रिज कार्पोरेशन के अंतर्गत निर्माणाधीन पुलों की समीक्षा कर कार्य गुणवत्ता पूर्ण एवं समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

नगरीय क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने व विकास कार्यों पर जोर

नगरीय प्रशासन अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए बैतूल नगर के प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के निर्देश एसडीएम, तहसीलदार एवं सीएमओ को दिए गए, ताकि प्रस्तावित निर्माण कार्यों में बाधा न आए। नगरपालिका के प्रत्येक वार्ड में 7-7 लाख रुपये की राशि से विद्युत पोल लगाने तथा लल्ली चौक से कोठवाली चौक तक पोल शिफ्टिंग करने के निर्देश दिए गए।नगर में पर्याप्त पेयजल उपलब्धता के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा 18 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। इस संबंध में विस्तृत परियोजना विवरण शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश जल संसाधन विभाग एवं नगर पालिका को दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

सीहोर के आयुष विंग एवं स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर पर निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। सीहोर के आयुष विंग एवं स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर पर पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्था द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अर्श (बवासीर), भगन्दर (फिस्टुला), परिकर्तिका (फिशर एवं अन्य गुदगत रोगों के 124 रोगियों का अनुभवी एवं विशेषज्ञ आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा परीक्षण कर क्षार सूत्र पद्धति से निःशुल्क उपचार किया गया। इसके साथ ही औषधियां भी प्रदान की गईं। शिविर में डॉ आदित्य नेमा, डॉक्टर सुरेश ठाकुर, डॉक्टर रवीन्द्र पाटिल, डॉक्टर नीलिमा सिंह, डॉक्टर विवेक सिंह भदौरिया, डॉक्टर उमेश नागर, श्री नीरज कुशवाहा, श्री मधुरेश कुमार पनिका एवं श्रीमती कमलेश शाक्य उपस्थित थे।

रोजगार मेले में 130 पंजीयन, 66 आवेदकों का प्राथमिक चयन

विदिशा (निप्र)। शासकीय आईटीआई विदिशा में युवा संगम रोजगार स्वरोजगार अप्रेंटिसिप मेले का आयोजन किया गया। आईटीआई प्राचार्य कविता रघुवंशी ने बताया कि उक्त मेले में देश के प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों ने भाग लिया जैसे अपोलो टायर्स (गुजरात), मदरसन सुमी (पीथमपुर), वर्धमान टेक्सटाइल्स (बुधनी), मेगनम ग्रुप (भोपाल), प्रथम फाउंडेशन आईटीसी (विदिशा) एवं अन्य बड़े विभिन्न सेक्टर के प्रतिष्ठानो ने भाग लिया। मेले में विदिशा एवं अन्य जिलों से उपस्थित हुए छात्र छात्राओं को उनकी योग्यता अनुसार चयन किया गया। इस रोजगार मेले में कुल 130 पंजीयन हुए जिसमें से 66 आवेदकों का प्राथमिक चयन हुआ। उक्त मेले का आयोजन शासकीय आईटीआई विदिशा, जिला रोजगार कार्यालय, आजीविका मिशन एवं जिला उद्योग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को दी जा रही हैं निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले की गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान प्रसव पूर्व देखभाल के लिये प्रत्येक माह की 09 एवं 25 तारीख को जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर देखभाल एवं स्वास्थ्य सेवाओं का निशुल्क लाभ प्रदान किया जा रहा है, ताकि गर्भावस्था और प्रसव के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अभियान के तहत 09 फरवरी को जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर 841 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें 203 गर्भवती महिलाएं हाई रिस्क पाई गईं। सीएमएचओ श्री सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना हैं। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को निशुल्क जाँच, दवाएं, एवं परामर्श दिया जा रहा है। अभियान के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान एवं विशेष देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। इसके तहत प्रसव के समय जटिल अवस्था में उच्च चिकित्सा केन्द्रो में रेफर किया जाता है। गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य जाँच के लिये निशुल्क पिक अप एवं ड्राप की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

कुबेरेश्वर धाम रूद्राक्ष महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए ऑटो का किराया निर्धारित

सीहोर (निप्र)। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम पर 14 से 20 फरवरी तक रूद्राक्ष महोत्सव एवं शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसके दृष्टिगत कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार कुबेरेश्वर धाम के लिए ऑटो रिक्शा का किराया भी निर्धारित किया गया है। जिसमें सीहोर रेलवे स्टेशन से कुबेरेश्वर धाम 30 रुपये प्रति सवारी और सीहोर बस स्टैंड से कुबेरेश्वर धाम 25 रुपये प्रति सवारी निर्धारित है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए हैं कि श्रद्धालुओं से निर्धारित किराये से अधिक किराया न लिया जाए। इसके साथ ही सभी ड्रायवर के आई-कार्ड अथवा वैच धारण करें ताकि पहचान सुनिश्चित रह सकें। उन्होंने निर्देश दिए है कि सभी ऑटो वाहन क्षमता से अधिक यात्री ना बैठाये तथा गति सीमा एवं यातायात नियमों का पालन करें, ताकि आयोजन में यातायात बाधित ना हों। जिला परिवहन अधिकारी श्री रीतेश तिवारी ने निर्देश दिए हैं कि सभी वाहनों के फिटनेस परमिट की वैधता जांच की जाए और बगैर फिटनेस एवं परमिट वाहनों का संचालन ना किया जाये। सभी बसें जो कुबेरेश्वर धाम पर यात्रियों को लाने व ले जाने के लिए संचालित की जाएंगी, उनमें स्पष्ट रूप से बैनर लगाया जाए।

संकल्प से समाधान अभियान शिविरों में प्राप्त आवेदनों का करें त्वरित निराकरण: कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाईन, विभागीय योजनाओं तथा गतिविधियों की समीक्षा कर दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा विभागीय योजनाओं, अभियानों और सीएम हेल्पलाईन निराकरण की साप्ताहिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविरों के आयोजन और प्राप्त आवेदनों पर की जा रही कार्यवाही की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवेदनों को पोर्टल पर दर्ज कराने और निराकरण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने शिविरों में उपस्थित नहीं रहने वाले अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त कर उन्हें अनिवार्य रूप से शिविरों में उपस्थित रहने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला अधिकारियों से कहा कि संकल्प से समाधान अभियान शासन का महत्वपूर्ण अभियान है, इसे गंभीरता से लें। उन्होंने विकासखण्डवार और विभागवार शिविरों में प्राप्त आवेदनों तथा निराकरण की जानकारी ली। बैठक में जानकारी दी गई कि अभियान के तहत जिले में अभी तक आयोजित शिविरों में आयुष्मान भारत योजना के 9775 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से 8969 आवेदन निराकृत हो गए हैं। इसी प्रकार सहकारी बैंकों के माध्यम से किसान क्रेडिट कार्ड के 5356 आवेदनों में से 3339 आवेदन निराकृत, पीएम स्वनिधि योजना संबंधी 4371 आवेदनों में से 3883 आवेदन निराकृत, वृद्धावस्था पेंशन योजना के प्राप्त 1945 आवेदनों में से 1182 आवेदन निराकृत, जाति प्रमाण पत्र हेतु प्राप्त 2600 से अधिक आवेदन में से 1415 आवेदन निराकृत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्राप्त 890 आवेदनों में से अभी तक 298 आवेदन निराकृत हो गए हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के 578 आवेदनों में से 277 आवेदन, समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत प्राप्त 385 आवेदन में से 267 आवेदन, राष्ट्रीय विधवा गांधी पेंशन योजना के 375 आवेदन में से 212 आवेदन, राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना के तहत 346 आवेदन में से 284 आवेदन निराकृत हो गए हैं।

इनके अतिरिक्त शिविरों में प्राप्त अन्य आवेदनों का भी प्राथमिकता से निराकरण कराया जा रहा है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि कोई भी आवेदन लंबित ना रहे तथा नियमानुसार निराकरण की कार्यवाही शीघ्रता से की जाए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभागवार और अधिकारीवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण की साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी जनपद सीईओ को शिकायतों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार राजस्व विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों को शीघ्रता से निराकृत करने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उन्होंने जिला अस्पताल से जुड़ी सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का निराकरण नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त कर सिविल सर्जन को कार्यप्रणाली में सुधार लाते हुए शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में बेहतर कार्य होने पर जिला शिक्षा अधिकारी की सराहना करते हुए और बेहतर कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह स्वयं शिकायतों का अवलोकन करें और निराकरण कराएं। बैठक में नॉन अटेन्डेन्ट रहते हुए लेवल जम्प होने वाली शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कृषि विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत नॉन अटेन्डेन्ट ना रहे, शिकायत प्राप्त होते ही नियमानुसार कार्यवाही करते हुए जानकारी दर्ज कराएं। इसी प्रकार माननीय उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों में जबावदावा दर्ज किए जाने की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को समयावधि में जबावदावा दर्ज कराने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में नरवाई प्रबंधन हेतु की जा रही कार्यवाही की जानकारी लेते हुए उप संचालक कृषि को जागरूकता गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नरवाई प्रबंधन में उपयोग आने वाले उपकरणों को बढ़ावा दें, इसके लिए किसान संगठनों से भी चर्चा की जाए। साथ ही हार्वेस्टर में स्ट्रॉ मेनेजमेंट सिस्टम हो, यह भी सुनिश्चित कराएं। सभी एसडीएम और तहसीलदार भी यह देखें कि हार्वेस्टर में स्ट्रॉ मेनेजमेंट सिस्टम हो। यदि नहीं है तो कार्यवाही की जाए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान निर्माणाधीन आंगनवाड़ी भवनों का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही जिन आंगनवाड़ी केन्द्रों का कार्य अप्रारंभ है, उन्हें शीघ्र प्रारंभ किया जाए।

जिला रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में 42 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला रेडक्रॉस समिति नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार तथा प्रबंध समिति पदाधिकारी श्री अरुण शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु नियमित स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को नर्मदांचल क्षत्रिय लोणारी कुंनबी समाज विकास समिति के सहयोग से हिंगलाज माता मंदिर, खर्राघाट नर्मदापुरम में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 42 लोगों का बीपी, शुगर, हाइट, वेट एवं बीएमआई आदि की जांच कर उन्हें उनके शारीरिक स्वास्थ्य की जानकारी दी गई। यह अभियान 'स्वस्थ नागरिक, बेहतर कार्यक्षमता, बेहतर अर्थव्यवस्था' की भावना के साथ संचालित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस श्रृंखला का शुभारंभ कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा 8 जनवरी 2026 को किया गया था, जो निरंतर जारी है। परीक्षण उपरांत चिकित्सकों ने उपस्थित लोगों को बेहतर जीवन जीने के लिए स्वस्थ जीवन शैली के चार स्तंभ—सही खानपान, नियमित शारीरिक गतिविधि, तनाव में कमी तथा रिश्तों को मजबूत रखने—के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए आवश्यक परामर्श प्रदान किया।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 957 गर्भवती महिलाओं की जांच, 446 हाई रिस्क मिली

बैतूल (निप्र)। गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं का समय पता लगाने और समय रहते उनका उपचार सुनिश्चित कर सुरक्षित प्रसव करवाने के लिए प्रतिमाह के 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि 9 फरवरी को जिले में आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 957 गर्भवती महिलाओं की जाचं एवं 446 हाई रिस्क चिन्हित, 82 महिलाओं की सोनोग्राफी की गईं। शिविर में सभी महिलाओं की खून की जांच एवं जीडीएम की जांच की गई।

शिविर का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व स्वास्थ्य संस्था में आवश्यक जांचे, चिकित्सकीय परीक्षण, परामर्श और हाई रिस्क महिलाओं का उचित प्रबंधन कर संस्थागत सुरक्षित प्रसव करवाना है, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय बैतूल में आयोजित शिविर में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ. मोनिका सोनी द्वारा 92 गर्भवती महिलाओ की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें 37 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गयाऔर 82 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी की गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोड़ाडोंगरी में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ कविता कोरी द्वारा 50 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 22 हाई रिस्क महिलाओं की जांच की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ सरिता कालभोर द्वारा 60 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 33 महिलाएं हाई रिस्क पाई गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.ईशा डेनियन द्वारा 191 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 66 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभात पट्टन में चिकित्सक अधिकारी डॉ.सोनाली द्वारा 30 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 25 हाई रिस्क महिलाओं की जांच की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिचोली में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ रामलखन प्रजापति द्वारा 71 गर्भवती महिलाओं की जांच, जिसमें 45 महिला हाई रिस्क पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही में चिकित्सा अधिकारी डॉ व्योमा वर्मा द्वारा 75 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 47 महिलाएं हाई रिस्क पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेहरा में चिकित्सक अधिकारी डॉ नेहा भास्कर द्वारा 156 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 49 महिलाएं हाई रिस्क पाई गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर में महिला चिकित्सक डॉ तरूणा काकोडिया द्वारा 66 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 54 महिला हाई रिस्क पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर में चिकित्सक अधिकारी डॉ माधुरी वहाने द्वारा 65 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 20 महिला हाई रिस्क मिली। सिविल अस्पताल आमला में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक नरवरे एवं महिला चिकित्सक डॉ ईवान जेम्स द्वारा 101 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई जिसमें 48 महिलाएं हाई रिस्क मिली।

गांवों में सड़कों की खुदाई के पश्चात अनिवार्य रूप से की जाए मरम्मत : कलेक्टर

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए बाबू के भरोसे न रहें, स्वयं संज्ञान लें अधिकारी

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने तहसीलवार एवं अनुभागवार राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए राजस्व वसूली, आरसीएमएस, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फार्मर रजिस्ट्री सहित सभी राजस्व कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी राजस्व प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रहे तथा सभी अधिकारी गंभीरता और जवाबदेही के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा राजस्व संबंधी कार्यों के निराकरण के लिए अधिकारी अपने बाबू के भरोसे न रहें, बल्कि स्वयं संज्ञान में लेते हुए प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नो-मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के निराकरण एवं दावे-आपत्तियों के निपटारे को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पात्र मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेज एकत्रित कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सीमांकन एवं नामांतरण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम जनता से जुड़े इन कार्यों में लापरवाही स्वीकार्य नहीं है तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही उन्होंने राजस्व वसूली में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विकास कार्यों के दौरान गांवों की सड़कों की खुदाई के पश्चात उनकी मरम्मत अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में कोई परेशानी न हो। उन्होंने सभी किसानों की फार्मर आईडी बनाने तथा खाद की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निचले स्तर के कर्मचारियों के कार्य निर्धारित कर उनकी ड्यूटी लगाने को भी कहा। बैठक में रेलवे एवं राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजनाओं का कार्य समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। इसके साथ ही परियोजनाओं में आने वाली भूमि के किसानों के हितों को ध्यान में रखा जाए और किसानों को उनकी भूमि का पूर्ण और उचित मुआवजा समय पर प्रदान किया जाए। उन्होंने गिरदावरी कार्य में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि खेतों की वास्तविक स्थिति के आधार पर ही फसलों की शुद्ध, प्रमाणिक एवं त्रुटिरहित प्रविष्टियां दर्ज की जाएं।

विधायक डॉ चौधरी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मीणा ने सड़क निर्माण कार्यो का किया भूमिपूजन

रायसेन (निप्र)। सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा द्वारा सोमवार को सांची विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास और निर्माण कार्यो की सौगात दी गई। सांची विधायक डॉ चौधरी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मीणा द्वारा लोक निर्माण विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत ग्राम पिपलई से ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर तक 143.71 लाख रुपये लागत के 0.90 किमी लंबाई मार्ग निर्माण कार्य (लागत राशि 143.71 लाख रुपये) का भूमिपूजन किया गया। इसी प्रकार ग्राम वावलिया में आयोजित कार्यक्रम में विधायक डॉ चौधरी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मीणा द्वारा राशि 363.22 लाख रुपये लागत से बनने वाले 3.30 किमी लम्बे ग्राम वावलिया से खरवई व्हाया करहोद मार्ग निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि इन मार्ग का निर्माण हो जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए आवागमन में सुविधा होगी तथा विकास को भी गति मिलेगी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, श्री राकेश शर्मा, लोक निर्माण विभाग और पंचायत विभाग के अधिकारी तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एमएसएमई ऋण आउटरीच शिविर में मौके पर ही 170 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए गए

कार्यक्रम में उद्यमियों को व्यवसाय वृध्दि के लिए योजनाओं की जानकारी दी गई।

नर्मदापुरम (निप्र)। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग एमएसएमई के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एमएसएमई ऋण आउटरीच शिविर का कार्यक्रम आयोजित हुआ। शिविर में राज्यसभा सदस्य श्रीमती माया नारोलिया की मुख्य उपस्थिति में 130 से अधिक हितग्राहियों को 170 करोड़ के स्वीकृत पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रीमती नारोलिया ने कहा कि देश के युवा, महिला वर्ग से लेकर पात्र वृद्ध सभी को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की ऋण संबंधी समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से मेगा ऋण आउटरीच शिविर में समाज के गरीब तबके से लेकर बड़े उद्यमियों तक बैंकिंग योजनाओं को जानकारी के साथ उन्हें ऋण देकर आर्थिक रुप से सबल बनाने का काम सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के तत्वाधान में किया गया है। उन्होंने बजट में एमएसएमई सेक्टर के लिए दी गई सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। वहीं केंद्रीय कार्यालय के प्रतिनिध जयशंकर प्रसाद ने कहा कि देश के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में एमएसएमई और बैंक ने भूमिका निभाई है। इस तरह के आयोजन से वित्तीय सहायता तक पहुंच आसान होती है। उन्होंने आपकी पूंजी-आपका अधिकारी, घर वापसी और स्वागतम जैसी योजनाओं के साथ-साथ मुद्रा, जीएसटी आधारित ऋण, और होटल सेक्टर के लिए विशेष वित्तीय प्रावधानों की जानकारी दी। क्षेत्रीय प्रमुख रजत मिश्रा ने कहा कि बैंक अब क्लस्टर आधारित पहुंच पर विशेष ध्यान दे रहा है, ताकि क्षेत्र के विशिष्ट व्यापारिक समूहों, विशेषकर पर्यटन और हास्पिटैलिटी सेक्टर को उनकी जरूरतों के अनुसार सरल और त्वरित बैंकिंग सुविधाएं मिल सकें। कार्यक्रम में उद्यमियों, ऋण लाभार्थियों को अपने व्यवसाय वृद्धि हेतु विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। उद्यमियों को मुद्रा, बिजनेस लोन, शाप लोन, सीए लोन, टेक्सटाइल सेक्टर के लिए लोन, जीएसटी आधारित ऋण, संजीवनी योजना और सेंट होटल योजना की विस्तृत जानकारी दी गई, इनमें सेंट बिजनेस लोन, सेंट बिजनेस व्हीकल, सेंट संजीवनी, सेंट टेक्सटाइल, सेंट स्टैंड अप इंडिया, सेंट शाप और सेंट होटल जैसी योजनाएं शामिल थीं।

कुरवाई में एक दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण सम्पन्न

विदिशा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा ट्रेनिंग एंड कैपेसिटी बिल्डिंग डिजास्टर रिस्पॉन्स प्रोग्राम के अंतर्गत बाढ़ आपदा राहत, खोज एवं बचाव विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार कुरवाई स्थित नवीन तहसील भवन के हॉल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में एसडीएम श्री मनीष जैन एवं तहसीलदार श्री नागेश पवार भी उपस्थिति रहे।

प्रशिक्षण आपदा नोडल अधिकारी एवं डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड श्री मयंक कुमार जैन के मार्गदर्शन में एएसआई श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्र में इन्सीडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम (त्ै), रेस्क्यू टास्क फोर्स तथा त्ै टीम के सदस्यों की आपदा के समय भूमिका, जवाबदेही एवं दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी गई। एएसआई श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा एवं ैकम्थ् टीम द्वारा बाढ़ आपदा राहत, खोज एवं बचाव कार्यों के दौरान विभिन्न विभागों के बीच आवश्यक समन्वय, आपदा से पूर्व, आपदा के दौरान तथा आपदा के बाद की जाने वाली कार्यवाहियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण में बाढ़, भूकंप, आगजनी, सर्पदंश, वज्रपात, प्राथमिक उपचार, लू एवं शीतलहर जैसी परिस्थितियों से निपटने के व्यावहारिक उपायों की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को भारत सरकार की 'सचेत ऐप' डाउनलोड कराई गई तथा उसके उपयोग की विधि समझाई गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना रहा। प्रशिक्षण में एसडीईआरएफ टीम के सदस्य सौरव पचैरी, संदीप राजपूत, देवेंद्र किलोरिया, विजय कुशवाह एवं अभिषेक यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

किसानों को दी जा रही आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन के निर्देशानुसार कृषक कल्याण वर्ष-2026 के तहत प्रदेश में कृषि रथों का भ्रमण जारी है। इसी क्रम में नरसिंहपुर जिले के सभी 6 विकासखंडों में कृषि रथ चलाया जा रहा है। जिले के किसानों को ई-विकास प्रणाली (ई-टोकन उर्वरक वितरण), आधुनिक कृषि यंत्रों और उन्नत खेती आदि की जानकारी दी जा रही है। कृषि विभाग द्वारा कृषि रथ के माध्यम से किसानों को जागरूक भी किया जा रहा है।

कृषि रथ के माध्यम से किसानों को जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने, विभागीय कृषि योजनाओं का प्रचार-प्रसार, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था और पराली प्रबंधन की जानकारी दी गई। किसानों को नरवाई (फसल अवशेष) प्रबंधन के लिए आधुनिक यंत्रों जैसे सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, जीरो टिलेज सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, स्ट्रॉ रीपर और रीपर कम बाइंडर की तकनीकी जानकारी दी गई।

किसानों को जानकारी दी गई कि सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे यंत्र खेत की तैयारी, नरवाई प्रबंधन और बोनी जैसे तीन काम एक साथ करते हैं। इन यंत्रों के उपयोग से न केवल समय और लागत की बचत होती है, बल्कि पैदावार भी अच्छी मिलती है। उन्होंने किसानों को समझाइश दी गई कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति नष्ट होती है और वायु प्रदूषण फैलता है। नरवाई न जलाकर उसे खाद के रूप में उपयोग करना ही श्रेष्ठ है।

रतलाम जिले में कृषि रथ के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध विषयों जैसे उद्यानिकी, पशुपालन, आत्मा, मत्स्य पालन आदि पर किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के मध्य सीधा संपर्क कायम कर नवीन एवं वैज्ञानिकी तकनीकी सुधार की जानकारी कृषकों को दी जा रही है। कृषि रथ द्वारा किसानों को जिले के विभिन्न ग्रामों में जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार, पराली न जलाने, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण को बढावा देने, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

पं. दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता और...

समर्थ भारत निर्माण के चिंतक थे : सीएम

● मुख्यमंत्री ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर लालघाटी स्थित प्रतिमा पर की पुष्पांजलि अर्पित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जब विश्व में सभी ओर साम्यवाद और समाजवाद की विचारधाराओं का प्रभाव था, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद और अंत्योदय की कल्याणकारी दृष्टि प्रदान की। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत को निरंतरता प्रदान करने का प्रभावी प्रयास था। पं. दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता तथा समर्थ भारत निर्माण के चिंतक थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिंतक, संगठनकर्ता और भारतीय जनसंघ के सह संस्थापक रहे। दीनदयाल जी का विचार था कि स्वतंत्रता तभी सार्थक होती है, जब वो हमारी संस्कृति की अभिव्यक्ति का साधन बने। उनके विचारों ने समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के जीवन में उजास लाने का मार्ग प्रशस्त किया। दीनदयाल जी के विचार भारतीय मानस को सशक्त राष्ट्र और समाज के निर्माण के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पं.

दीनदायल उपाध्याय की प्रतिमा के निकट विकसित नमो वन का अवलोकन कर रुद्राक्ष का पौधा रोपा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, गरीब-किसान-युवा और महिलाओं कल्याण के साथ सभी को प्रगति के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर सक्रिय है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विश्व में देश का प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर केश शिल्पियों को उपलब्ध कराई जा रही किट उनके अंत्योदय के विचारों को व्यावहारिक रूप देने का सार्थक प्रयास है।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय सहित श्री रविन्द्र यति जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

प्रदेश की 9 स्टोन आधारित एमएसएमई इकाइयों ने जयपुर में इंडिया स्टोन मार्ट में की सहभागिता

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की 9 स्टोन आधारित एमएसएमई इकाइयों ने इंडिया स्टोन मार्ट, 2026 जयपुर में सहभागिता कर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। यह प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय स्टोन आधारित प्रदर्शनी 5 से 8 फरवरी तक जयपुर में आयोजित की गई थी।

प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश की कुल 9 स्टोन आधारित एमएसएमई इकाइयों ने सहभागिता की, जिसमे ग्वालियर से 6 इकाईयों (तंवर स्टोर इंडस्ट्रीज, जैन स्टोन इंडस्ट्रीज, के. आर. स्टोन इंडस्ट्रीज, महाकाय इंडस्ट्रीज, अभ्युदय इंटरप्राइजेज, श्री साई राम स्टोन), कटनी से दो इकाईयों (एमके ग्रेनाइट एवं मार्बल कंपनी तथा श्री राम मार्बल्स) एवं इंदौर (द राईट एंगल्स) से एक इकाई शामिल है।

सभी चयनित इकाइयों को एमएसएमई विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा विभागीय सहयोग प्रदान किया गया।इकाइयों को निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए गए एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई।

प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए इकाइयों का चयन एमएसएमई विभाग के माध्यम से मुख्यालय स्तर पर किया गया। स्टोन इंडस्ट्रीज के उत्पादों का वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट में शामिल होने के साथ उनकी गुणवत्ता, नवाचार क्षमता एवं बाजार संभावनाओं को चयन का आधार बनाया गया। प्रदर्शनी के दौरान उद्यमियों ने अपने उत्पादों का प्रभावी प्रदर्शन किया एवं देश-विदेश से आए क्रेताओं एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों से सार्थक व्यावसायिक संवाद किया। इस सहभागिता से स्टोन जगत के हितधारकों का परिचय मध्यप्रदेश की विशाल स्टोन धरोहर से हो सका एवं सभी ने मध्यप्रदेश के उत्पादों को सराहा। विजिट स्थानीय एमएसएमई इकाइयों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने, निर्यात संभावनाओं के विस्तार तथा महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। माना जा रहा है कि एमएसएमई विभाग की यह पहल प्रदेश में उद्यमिता, रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास को सशक्त रूप से आगे बढ़ाएगी।

प्रोफेसर ने घर में फांसी लगाकर सुसाइड किया

लिखा- बीमारी से परेशान हूं... इसलिए जीना नहीं चाहता, सभी को बहुत प्यार करता हूं

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रातीबड़ इलाके में रहने वाले प्राइवेट कॉलेज के प्रोफेसर ने मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। बुधवार सुबह परिजनों ने बॉडी देखने के बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के कमरे से पुलिस को सुसाइड नोट मिला है।

जिसमें उसने बीमारी के चलते जान देने की बात लिखी है। हालांकि परिजनों ने उसे किसी भी तरह की गंभीर बीमारी होने से इनकार किया है। पुलिस सभी एंगल पर जांच कर रही है। एसआई गब्बर सिंह के मुताबिक 32 वर्षीय शैलेंद्र सिंह ठाकुर पुत्र महेंद्र सिंह ठाकुर गोल्डन सिटी रातीबड़ में किराए से रहते थे। वह मूल रूप से सीहोर जिले के आष्टा स्थित गोपालपुर गांव के रहने वाले थे।

छह माह से किराए से रह रहा था- बीते 6 महीने से भोपाल में किराए का कमरा लेकर रहते थे और रातीबड़ के ही प्राइवेट कॉलेज में बतौर प्रोफेसर जॉब कर रहे थे। उनके भाई ने पुलिस को बताया कि शैलेंद्र को किसी तरह की गंभीर बीमारी नहीं थी।

जल्द हो जाता था मौसमी बीमारियों का शिकार- बीते कुछ समय से उसे सर्दी और जुकाम जल्दी हो जाया करता था। इसके बाद होने वाली कमजोरी से वह परेशान रहता था। एसआई ने बताया कि शैलेंद्र के कमरे से मिले सुसाइड नोट में उसने लिखा कि बीमारी से तंग हूं... इसलिए जीना नहीं चाहता। सभी को बहुत प्यार करता हूं। अपना ध्यान रखें और स्वस्थ्य रहें।

पत्नी को भी है कैंसर

पुलिस के मुताबिक शैलेंद्र की पत्नी को बच्चेदानी का कैंसर है। जिसका इलाज बीते एक साल से चल रहा है। फिलहाल पत्नी अपने गोपालपुर स्थित मायके में रह रही है। मायके वाले ही उसका इलाज करा रहे हैं। इस बात को लेकर भी शैलेंद्र तनाव में रहता था।

घर से लौटने पर कर रही थी सुसाइड की बातें

भोपाल में एमबीबीएस छात्रा की मौत पर पीजी इंचार्ज का दावा, पिता बोले- पढ़ाई का स्ट्रेस था

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एमबीबीएस की छात्रा रोशनी की मंगलवार को संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव एक प्राइवेट पीजी के बाथरूम में मिला था। पास ही एसिड की बोतल भी पाई गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में एसिड से मौत की पुष्टि हुई है।

बेटी का शव लेने आलीराजपुर से आए छात्रा के पिता वंतर सिंह ने बताया कि रोशनी पढ़ाई के दबाव में जरूर थी, लेकिन आत्महत्या जैसा कदम उठाएगी, इसकी कभी कल्पना नहीं की थी। वह अच्छी डॉक्टर बनना चाहती थी। नीट परीक्षा में 400 से अधिक अंक लाकर खुद गांधी मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया था।

दूसरी ओर जिस पीजी में छात्रा रहती थी, उसकी संचालक का दावा है कि रोशनी घर से लौटने के बाद दो दिन से सहेलियों से सुसाइड की बात कर रही थी। सुबह जब वह कॉलेज जाने के लिए बाहर नहीं निकली तो साथ रहने वाली छात्राओं ने दरवाजा तोड़कर देखा। वह बेसुध हालत में थी। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं कॉलेज डीन ने भी पुष्टि की है कि पढ़ाई समझ नहीं आने के कारण रोशनी तनाव में थी।

पिता बोले- बेटी कुछ दिनों से घर पर ही थी- आलीराजपुर जिले के अकलवा गांव निवासी रोशनी के पिता वंतर सिंह कलेश ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 8.30 बजे बेटी की हालत की जानकारी मिली। रोशनी कुछ दिनों से घर पर ही थी। वह दो बहनों में बड़ी थी। शनिवार को ही तो उसे आलीराजपुर से भोपाल के लिए ट्रेन में बैठाया था। रविवार और सोमवार वह भोपाल में रही।

पढ़ाई का दबाव था, लेकिन हिम्मत वाली थी रोशनी- पिता वंतर सिंह ने कहा कि रोशनी ने पढ़ाई के स्ट्रेस का जिक्र जरूर किया था, लेकिन वह हमेशा यही कहती थी कि पापा, मैं पढ़ लूंगी। नीट परीक्षा में उसके 400 से ज्यादा अंक आए थे और उसने खुद गांधी मेडिकल कॉलेज का चयन किया था। वह शुरू से डॉक्टर बनना चाहती थी। परिवार को उम्मीद थी कि बेटी मेहनत के दम पर आगे बढ़ेगी।

पीजी इंचार्ज बोलीं- सभी से अच्छे से बात करती थी

जिस प्राइवेट पीजी में रोशनी रह रही थी, उसकी संचालक करुणा नायर ने बताया कि रोशनी का स्वभाव बेहद अच्छा था। वह हमेशा हंसते-खेलते रहती थी। सभी से अच्छे से बात करती थी। पीजी में हर जगह कैमरे लगे हैं, जिससे बच्चों की निगरानी की जाती है। करुणा नायर के मुताबिक, रोशनी की सहेलियों ने बताया कि वह दो दिन से सुसाइड करने की बात कर रही थी। वह दो दिन पहले ही घर से लौटकर भोपाल आई थी, अगर यह बात समय रहते उन्हें या परिवार को बता दी जाती तो शायद कोई कदम उठाया जा सकता था।

छत से घुसे, ताले तोड़े और डेढ़ करोड़ ले भागे

शिवपुरी में 1 किलो सोना, ढाई किलो चांदी और 20 लाख रुपए नकद चुरा ले गए बदमाश

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी जिले के इंदार गांव में एक ही रात में दो घरों से चोरी हो गई। बदमाश दोनों घरों से एक किलो सोना, ढाई किलो चांदी और करीब 20 लाख रुपए नकद लेकर भाग गए। कुल माल की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए बताई गई है। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस के अनुसार, सबसे बड़ी चोरी चंद्रप्रकाश रघुवंशी के घर हुई। परिजन आशीष रघुवंशी ने बताया कि परिवार के सभी सदस्य रात करीब 12 बजे सो गए थे। इसी दौरान चोर छत के रास्ते घर में घुसे और एक कमरे का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हो गए।

तीन बक्सों के ताले तोड़े- चोरों ने कमरे में रखे तीन बक्सों के ताले तोड़ दिए। इनमें रखी 17 सोने की अंगूठियां, 3 सोने के हार, 4 सोने की चेन, पुरानी सोने की मोहरें और करीब दो किलो चांदी के जेवरात ले गए। बताया गया है कि करीब 50-60 तोला सोना नया था, जबकि लगभग 50 तोला सोना पुश्तैनी था, जिसे एक ही स्थान पर रखा गया था। आशीष रघुवंशी ने बताया कि उन्होंने हाल ही में मक्का बेचकर 15 लाख रुपए घर में रखे थे। इसके अलावा करीब 5 लाख रुपए पहले से घर में मौजूद थे। इस तरह चोर कुल 20 लाख रुपए नकद भी अपने साथ ले गए। चंद्रप्रकाश रघुवंशी के तीन बेटे हैं- देवेंद्र, महेंद्र और विशाल। तीनों ही विवाहित हैं और उनके बच्चे हैं। देवेंद्र गुना में पटवारी हैं। इसी कारण तीनों भाइयों की पत्नियां और बच्चे पढ़ाई के लिए गुना में रहते हैं।

भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी स्थान होगा पं. दीनदयाल उपाध्याय उद्यान :स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह

विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ किया सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश

● राजधानी भोपाल के बर्राई क्षेत्र में एकात्म मानववाद के जनक की प्रतिमा का अनावरण ● विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बच्चों को किया प्रेरित

भोपाल (नप्र)। 'एकात्म मानववाद' के जनक पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भोपाल के बर्राई क्षेत्र को 11 जनवरी को दो सौगातें मिलीं। विधासनभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर और स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम से बने उद्यान की शुरुआत और उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ-साथ विद्यार्थियों को सांदीपनि विद्यालय में भी प्रवेश कराया। बच्चों को गुलाब के फूल दिए गए और उन्हें विकसित भारत में योगदान के लिए प्रेरित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह और विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपने से परिचित कराया और उनके पद चिन्हों पर चलने के लिए कहा।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि आज के दिन इस क्षेत्र के लोगों को खुशियां मिलने वाली हैं। इस पार्क को पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम से उद्यान के रूप में जाना जाएगा। उनकी प्रतिमा का आज लोकार्पण हुआ है। यह प्रतिमा आपके लिए आगे आने वाले समय में प्रेरणा का काम करेगी, प्रेरक का काम करेगी। ये पार्क इस क्षेत्र में पर्यावरण की दृष्टि से श्रेष्ठ स्थान होगा, जहां बच्चे-बुजुर्ग-नौजवान, सभी यहां पर सुबह और शाम अपना समय यहां व्यतीत कर सकते हैं। ये उद्यान आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी स्थान के रूप में जाना जाएगा।

पहले लक्ष्य तय करें, फिर उसे पाने की कोशिश करें- स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपने को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश में और हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में सच कर रहे हैं। उस सपने को साकार करने के लिए पीढ़ियां संघर्ष कर रही हैं। हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी कहते हैं कि पहले लक्ष्य तय करो फिर उसे पाने की कोशिश करो। मैं बच्चों से कहूंगा कि जब तक जीवन में आप लक्ष्य तय नहीं करोगे, तब तक उस तक नहीं पहुंच पाओगे। इसलिए पहले तय करो कि हमको कहां जाना है।

पूजे जाते हैं देश को समर्पित लोग- विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि हमारे देश में व्यक्ति की पूजा नहीं होती, हमेशा गुणों की पूजा होती है। इन गुणों के साथ जो व्यक्ति अपना जीवन भारत माता को और इस देश के लोगों को समर्पित करता है, वह हमारे देश में पूजा के योग्य हो जाता है। पं. दीनदयाल उपाध्याय की कद-काठी साधारण थी, उन्होंने गरीब परिवार में जन्म लिया। उन्होंने व्यक्तित्व से, सादा जीवन से, विद्वत्ता से कम समय में भारत माता की जो सेवा की और भारत से जुड़ा जो चिंतन इस धरती को दिया, उसके कारण आज भारत ही नहीं सारी दुनिया उनके चरणों में शीश झुकाती है।

प्रधानमंत्री का सपना सच करेंगे विद्यार्थी

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय भारत के चिंतन को जनमानस तक पहुंचाया, उसे अमर कर दिया। पं. दीनदयाल उपाध्याय के प्राण जनमानस में बसते थे। आज बच्चे सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश कर रहे हैं। इस विद्यालय में उन्हें अच्छी सुविधाएं दी गई हैं। ये बच्चे भारत का भविष्य हैं। ये हमारे लिए गौरव की बात है कि हमें प्रधानमंत्री के रूप में श्री मोदी जैसी शख्सियत मिली। उनका सपना देश को विश्वगुरू बनाना है। ये बच्चे उनके इस सपने को साकार करने में अहम योगदान देंगे। विधायक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने विकास की अभूतपूर्व गति पकड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गरीब-युवा-अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। विधायक शर्मा ने कहा कि बच्चों के भविष्य को देखते हुए झागरिया में स्टेडियम का निर्माण भी होगा।